रीवा
23 फरवरी 2026 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

मन की बात का 131वां एपिसोड:

पीएम मोदी बोले- एआई समिट में दुनिया के लोग जुटे; देश में ऑर्गन डोनेशन की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम ने कहा कि दिल्ली में ग्लोबल एआई इम्पेक्ट समिट के दौरान, कई देश के नेता, उद्योग जगत के लीडर्स, इनोवेटर, टेक कंपनी के दिग्गज यहां जुटे। पीएम ने कहा कि दुनिया में एआई कैसे काम करेगा, इसके लिए दुनिया के लोग जुटे। इसमें मैंने दुनिया के लीडर्स को बहुत सी चीजें दिखाई। समिट में 2 प्रोडक्ट्स में सभी को बहुत प्रभावित किया। अमूल के प्रोडक्टर ने बताया कि

कैसे जानवरों की हेल्थ में मदद करेगा। दूसरा प्रोडक्ट हमारी संस्कृति से जुड़ा था।

मोदी ने कहा कि कैसे एआई की मदद से प्राचीन ग्रंथों को, पांडुलिपि को संरक्षित कर रहे हैं। एग्जीविशन के दौरान सुश्रुत संहिता का डिस्प्ले किया गया। इसे पढ़ने लायक टेक्स्ट में बदला गया। एआई अवतार इसे पढ़ता नजर आया। भारतीय और विदेशी भाषाओं में इसे बदला जा सकता है।

साल 2026 का पीएम का ये दूसरा एपिसोड भी है। पीएम ने कहा कि भारत ने अपने 3 मॉडल भी पेश किए। ये एआई की सबसे बड़ी समिट रही है। मैं इसकी सभी को बधाई देता हूं।

पीएम बोले- टी20 वर्ल्ड कप में कई देशों में भारतीय मूल के खिलाड़ी : पीएम मोदी ने कहा कि टी20 वर्ल्ड कप के मैच आप देखते होंगे। कई बार आंखे खास खिलाड़ी पर टिक जाती हैं। जर्सी किसी और देश की है लेकिन खुशी होती है कि वो अपने देश का है। क्योंकि वो खिलाड़ी भारतीय मूल का होता है। वो दूसरे देश से इसलिए खेल रहा होता है क्योंकि उसका परिवार वहां बस चुका है।

उन्होंने आगे कहा- कनाडा टीम के कप्तान का जन्म गुरदासपुर में हुआ था। ये कनाडा के साथ-साथ भारत का गौरव बढ़ा रहे हैं। अमेरिका टीम के कप्तान मोनांक पटेल गुजरात अंडर 16-18 के लिए भी खेल चुके हैं। ऐसे ही कई नाम हैं। ओमान की टीम में ऐसे कई नाम हैं। जो भारत में खेल चुके हैं। ये खिलाड़ी ओमान क्रिकेट की मजबूत कड़ी हैं। इटली, यूएई की भी टीम में भारतीय मूल के खिलाड़ी हैं। पीएम बोले कि ये खिलाड़ी भारत के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। भारतीय जहां भी जाते हैं वे अपनी धरती से जुड़े रहते हैं।

देश को ऑर्गन डोनेशन की जरूरत: पीएम ने कहा कि किसी भी माता-पिता के लिए अपने बच्चे को खोने से बड़ा दुख हो ही नहीं सकता। केरल में 10 महीने की बच्ची आलीन की मौत हो गई। उसके माता-पिता जिस पीड़ा से गुजर रहे होंगे उसे शब्दों में नहीं बताया जा सकता। पीएम बताया कि इन माता-पिता ने आलीन के अंग दान का फैसला लिया। इससे पता चलता है कि उनका व्यक्तित्व कितना बड़ा है। उनमें दूसरों की मदद का भाव भरा था। वे चाहते थे कि किसी परिवार को ऐसा दर्द न झेलना पड़े। आलीन का नाम सबसे कम उम्र की ऑर्गन डोनेशन की लिस्ट में जुड़ गया है।

ठाणे के IVF सेंटर में चल रहा था एग-डोनेशन रैकेट :3 आरोपी गिरफ्तार

एग प्रोडक्शन बढ़ाने महिलाओं को इंजेक्शन लगाते, एक एग के बदले 30000 देते

ठाणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाणे में पुलिस ने एक बड़े एग-डोनेशन रैकेट का पर्दाफाश किया है। यह रैकेट बदलापुर ईस्ट के जोवेली में एक रेजिडेंशियल अपार्टमेंट और एक सोनोग्राफी सेंटर से चल रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस ने यहां छापा मारा और तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान सुलक्षणा गाडेकर, अश्विनी चाबुकस्वार, और मंजुषा वानखेड़े के तौर पर हुई है।

पुलिस के मुताबिक यह गिरोह गरीब और जरूरतमंद महिलाओं को लालच देकर बार-बार उनके एग (अंडाणु) निकलवाता था। उन्हें शारीरिक रूप से शोषित करता था। पीड़ितों को हर साइकिल के लिए 25 से 30,000 रुपए दिए जाते थे।

पुलिस का दावा है कि पीड़ितों को एग प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए हार्मोनल इंजेक्शन दिए जाते थे। एग तैयार होने के बाद, पीड़ितों को IVF सेंटर भेजा जाता था, जहां सर्जरी करके एग निकाले जाते थे। अब तक 20 से ज्यादा महिलाएं इनका शिकार हो चुकी हैं।

एग डोनेशन एक फर्टिलिटी प्रोसीजर है जिसमें एक महिला किसी दूसरे व्यक्ति को कंसीव करने के लिए एग देती है, आमतौर पर IVF (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) के जरिए। डोनर की स्क्रीनिंग और हार्मोन ट्रीटमेंट होता है, एग निकाले जाते हैं, फर्टिलाइज किए जाते हैं और रिसीवर को ट्रांसफर किए जाते हैं।

● मेरठ में विपक्ष पर बरसे पीएम मोदी ● मेट्रो-रैपिड रेल का उद्घाटन किया

कांग्रेस ने भारत के वैश्विक आयोजन को नंगी राजनीति का अखाड़ा बनाया

मेरठ, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के पहले नमो भारत ऋऋऋ का उद्घाटन किया, पूरा दिल्ली-मेरठ नमो भारत पूरा कॉरिडोर और मेरठ मेट्रो (मेरठ साउथ-मोदीपुरम) देश को समर्पित किया। पीएम ने करीब 12,930 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स समर्पित किए। इससे पहले, पीएम मोदी ने नमो भारत और मेरठ मेट्रो को हरी झंडी दिखाई।

इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शताब्दी नगर से मेरठ दक्षिण स्टेशन तक सफर भी किया। इसमें 17 लोग रहे जिनमें 5 स्कूली बच्चे, चार एमबीबीएस स्टूडेंट, पांच सफाईकर्मी और तीन दिल्ली के युवा उद्यमी थे। मेरठ दक्षिण स्टेशन से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जनसभा स्थल पर मोहिउद्दीनपुर पहुंचे।

विकसित भारत के लिए नई क्रांति को ऊर्जा मिल रही है : मेरठ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ÷बाबा औघड़नाथ की इस पावन धरती पर आज विकसित उत्तर प्रदेश, विकसित भारत के लिए नई क्रांति को ऊर्जा मिल रही है। आज पहली बार एक ही मंच से नमो भारत रैपिड रेल और मेट्रो सेवा का एक ही दिन शुभारंभ हो रहा है। विकसित भारत की कनेक्टिविटी कैसी होगी यह उसकी एक शानदार झांकी है। शहर के भीतर के लिए मेट्रो और ट्वीन सिटी के विजन को गति देने के लिए

नमो भारत जैसी आधुनिक ट्रेन का काम हुआ है।

अब परियोजनाएं पहले की तरह लटकती, भटकती नहीं है: पीएम मोदी ने काह कि हमारी कार्य संस्कृति है कि जिस काम का शिलान्यास किया जाए, उसे पूरा करने के लिए दिन-रात एक कर दिया जाए। इसलिए अब परियोजनाएं पहले की तरह लटकती, भटकती नहीं है।

पहले यहां शाम होते ही यहां पूरे रूट में सन्नाटा छा जाता था: पीएम मोदी ने कहा कि पहले यहां शाम होते ही यहां पूरे रूट में सन्नाटा छा जाता था। यहां डर और भय का माहौल होता था। अब एक तरफ कानून व्यवस्था भी सुधरी है और दूसरी तरफ लोगों को सुविधापूर्ण और सुरक्षित यात्रा का भी माध्यम मिला है। मुझे खुशी है कि नमो भारत रैपिड रेल... ये नारीशक्ति के सामर्थ्य का प्रतीक भी बनी है। इसमें ट्रेन ऑपरेटर, स्टेशन कंट्रोल स्टाफ... ऐसे अधिकतर काम में हमारी बेटियां ही कार्यरत हैं, बेटियां ही नेतृत्व कर रही हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत मेट्रो के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नेटवर्क बन चुका है। यूपी में मेरठ के अलावा भी कई सारे शहरों में मेट्रो का काम चल रहा है। बीते 11 वर्षों में देश के दर्जनों शहरों तक मेट्रो पहुंची... क्योंकि भाजपा सरकार देश की जनता को सुविधा देना चाहती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस-सपा की जब दिल्ली में सरकार थी, तब ये सब संभव ही नहीं था। क्योंकि तब इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट्स घोटालों में ही गुम हो जाते थे। हमने घोटाले भी बंद किए और देश को आत्मनिर्भरता के रास्ते पर भी आगे बढ़ाया। क्योंकि भाजपा की प्राथमिकता देश का विकास है, देशवासियों की सुविधा और समृद्धि है।

एक ही स्टेशन, एक ही ट्रैक पर नमो भारत और मेट्रो रेल चलेगी

सराय कालेखां, आनंद विहार, गाजियाबाद और मेरठ... इन स्टेशनों पर भारतीय रेल, मेट्रो और बस अड्डों को आपस में जोड़ा गया है। देश में ये पहली बार हो रहा है जब एक ही स्टेशन, एक ही ट्रैक पर नमो भारत और मेट्रो रेल चलेगी। यानी, एक ही प्लेटफॉर्म से आप शहर के भीतर भी यात्रा कर पाएंगे औरउसी स्टेशन से सीधे दिल्ली भी आ-जा सकते हैं।

विकसित भारत की कनेक्टिविटी कैसी होगी, ये उसकी एक शानदार झांकी है :पीएम मोदी ने कहा कि आज पहली बार, एक ही मंच से नमो भारत रैपिड रेल और मेट्रो सेवा का एक ही दिन शुभारंभ हो रहा है। विकसित भारत की कनेक्टिविटी कैसी होगी, ये उसकी एक शानदार झांकी है। शहर के भीतर के लिए मेट्रो और twin city के विजन को गति देने के लिए नमो भारत जैसी आधुनिक ट्रेन... मुझे संतोष है कि ये काम उत्तर प्रदेश में हुआ है।

पाकिस्तान की अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक, 16 मौतें

● पाक बोला- टीटीपी के 7 कैंपों को निशाना बनाया, आत्मघाती हमलों का बदला लिया

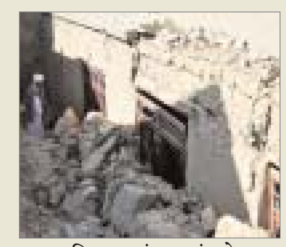

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की सेना ने रविवार तड़के अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में एयरस्ट्राइक की। अल-जजीरा के मुताबिक पाकिस्तानी सेना ने दावा किया कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) और इस्लामिक स्टेट से जुड़े सात कैंपों और ठिकानों को निशाना बनाया गया।

पाकिस्तान सरकार ने इसे हालिया आत्मघाती हमलों के बाद जवाबी अटैक बताया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि यह इंटेलिजेंस बेस्ड ऑपरेशन था। पाकिस्तान ने कहा, 'हमारे पास पुख्ता सबूत हैं कि हमले अफगानिस्तान की जमीन से चल रहे नेटवर्क ने कराए।'

अफगानिस्तानी मीडिया टोलो न्यूज के मुताबिक हमले में नांगरहार के एक घर को निशाना बनाया, जिससे एक ही परिवार के 23 लोग मलबे के नीचे दब गए। अब तक सिर्फ चार लोगों को निकाला जा सका है। हमले के समय परिवार सो रहा था, इसलिए उन्हें भागने का मौका ही नहीं मिला। अमेरिकी मानवाधिकार संगठन इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन (IHRF) के मुताबिक इसमें 16 लोगों की मौत हो गई। इसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। हालांकि, आंकड़ों की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

अफगानिस्तान बोला- सही समय पर कड़ा जवाब देंगे: अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने सही समय पर पाकिस्तान को जवाब देने की चेतावनी दी है। मंत्रालय ने इन हमलों को अफगानिस्तान की गोपनीयता नीति का उल्लंघन बताया। अफगान सूत्रों के अनुसार पक्तिका में एक धार्मिक स्कूल पर ड्रोन हमला हुआ और नांगरहार प्रांत में भी कार्रवाई की गई। पाकिस्तान ने कहा है कि उन्होंने आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया, लेकिन अफगान स्रोतों के अनुसार नागरिकों को नुकसान हुआ।पाकिस्तान लंबे समय से तालिबान सरकार से मांग करता रहा है कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी भी आतंकी संगठन को न करने दे।

अविमुक्तेश्वरानंद पर बच्चों के यौन शोषण मामले में एफआईआर

प्रयागराज में पॉक्सो एक्ट में हुआ केस, मुकुंदानंद का भी नाम

प्रयागराज, एजेंसी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ नाबालिग बच्चों के यौन शोषण के मामले FIR दर्ज कर ली गई है। प्रयागराज के झूंसी थाने में दर्ज FIR में शंकराचार्य के शिष्य मुकुंदानंद का भी नाम है। झूंसी थाना प्रभारी महेश मिश्रा के मुताबिक, 2-3 अज्ञात के खिलाफ भी पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दरअसल, जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज की याचिका पर प्रयागराज की पॉक्सो कोर्ट ने शनिवार को FIR दर्ज करने के आदेश दिए थे। आशुतोष ब्रह्मचारी ने कोर्ट में 2 बच्चों को पेश करके गंभीर आरोप लगाए थे। कोर्ट में कैमरे के सामने बच्चों के बयान दर्ज हुए थे। अदालत ने 13 फरवरी को अपना आदेश रिजर्व रख लिया था।

तमिलनाडु-बंगाल से एक बांग्लादेशी समेत 8 संदिग्ध गिरतार

हमले की साजिश थी, आईएसआई और बांग्लादेशी आतंकी संगठनों से कनेक्शन

तिरुप्पुर/नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने रविवार को 8 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनमें 6 तमिलनाडु और 2 पश्चिम बंगाल से अरेस्ट किए गए। पुलिस के मुताबिक यह सभी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ और बांग्लादेशी आतंकी संगठनों के इशारे पर आतंकी हमले की साजिश रच रहे थे। संदिग्धों में एक बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल है। इनके पास से 12 से ज्यादा मोबाइल फोन और 16 से ज्यादा सिम कार्ड बरामद हुए हैं। तमिलनाडु के तिरुप्पुर से जिन 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई है, उनमें मिजानुर रहमान, मोहम्मद शबत, उमर, मोहम्मद लितान, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद उज्जल हैं। इन लोगों ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी संगठनों के समर्थन में सोशल मीडिया पोस्ट की थीं। 3 आरोपियों को उथुकुली, 3 को

पल्लादम और एक आरोपी तिरुमुरुगनपोंडी से पकड़ा गया। ये सभी फर्जी आधार कार्ड के जरिए पहचान छिपाकर तिरुप्पुर में गारमेंट इंडस्ट्री में काम कर रहे थे।

आतंकियों की मदद के लिए रेकी की: दिल्ली पुलिस के मुताबिक तमिलनाडु से गिरफ्तार 6 संदिग्धों पर आतंकियों की मदद के लिए शहरों की रेकी का आरोपी है। इसके अलावा दिल्ली में 'फ्री कश्मीर' के पोस्टर लगाने में भी शामिल होने का शक है।

जॉइंट थिएटर कमान से ऑपरेट होंगी तीनों सेनाएं, ऑपरेशन सिंदूर में पहली बार दिखा था कम्पलीट इंटीग्रेशन

दावा- नया ढांचा 3 महीने में सामने आएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सैन्य ढांचे में अब तक के सबसे बड़े बदलाव का खाका तैयार हो चुका है। थलसेना, वायुसेना और नौसेना अब संयुक्त थिएटर कमान के तहत काम करेंगी। संयुक्त थिएटर कमान पर 5 साल से मंथन जारी था। नया ढांचा 3 महीने में औपचारिक रूप से सामने आ जाएगा।इससे भारत के पास किसी भी सैन्य संघर्ष से निपटने के लिए इंटीग्रेटेड, फास्ट और जॉइंट कमांड इन्फ्रास्ट्रक्चर रहेगा। निर्णय लेने में 60-70% तक तेजी आएगी। वहीं, 15-20% तक संसाधनों की भी बचत होगी। पाकिस्तान और चीन दोनों मोर्चों पर तैयारी और बेहतर होगी।

गौरतलब है कि अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस और ब्रिटेन सहित दुनिया के कई देशों में? सैन्य तंत्र संयुक्त थिएटर कमान के तहत ही ऑपरेट करता है। चीन में 5 जबकि अमेरिका में 11 कमान हैं।

10 साल में 5 बार चीन-पाकिस्तान से टकराव के बाद तैयार हुआ ढांचा: सैन्य सूत्रों के अनुसार, एक दशक में पाकिस्तान और चीन के साथ हुए 5 टकरावों से मिले कौशल, चुनौतियों और खामियों को फिल्टर कर नया ढांचा तैयार किया है। इनमें, पाकिस्तान के खिलाफ 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट एयर स्ट्राइक और 2025 में 88 घंटे चला ऑपरेशन सिंदूर शामिल है। वहीं, चीन के खिलाफ 2017 के डोकलाम और 2020 के गलवान संघर्ष के सबक शामिल हैं।इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों के अनुसार अलग-अलग सेवाओं की स्वतंत्र कार्रवाई में कम्युनिकेशन गैप और रिसोर्स ओवरलैप जैसी समस्याएं सामने आईं।

प. बंगाल- ममता मोर्चे पर, भाजपा को चेहरे की तलाश

टीएमसी की कोशिश चुनाव फिर से दीदी बनाम मोदी

कोलकाता,एजेंसी। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को लेकर घमासान के बीच पश्चिम बंगाल की राजनीति में गरमाहट बढ़ रही है। बंगाल की सियासी हवा में अभी 'रू' हावी है। रू यानी- महिला, मुस्लिम, मस्जिद, मंदिर, मटन, मछली, मनी पॉवर, मसल पॉवर..., ममता और मोदी। बंगाल की राजनीति यहां के दो सबसे बड़े फुटबॉल क्लबों- मोहन बागान या ईस्ट बंगाल की तरह दो ध्रुवों में बंटी है। पहले बंगाल की राजनीति कांग्रेस बनाम लेफ्ट थी, फिर 34 साल लेफ्ट का राज रहा। अब 15 साल से तृणमूल सत्ता में है और पिछले पांच साल से उसका सीधा मुकाबला भाजपा से है।

टीएमसी के लिए आज भी

ममता का फेस: वाममोर्चा के 34 साल का 'लाल किला' भेदकर सीएम बनीं ममता बनर्जी डेढ़ दशक की सत्ता के बाद भी आक्रामक शैली में मोर्चे पर हैं। टीएमसी के लिए आज भी ममता का फेस, लक्ष्मी भंडार जैसी योजनाएं और मुस्लिमों का एकजुट वोट, जीत का फॉर्मूला है। वहीं, भाजपा पीएम मोदी के चेहरे, अनुशासित संगठन और 'डबल इंजन' के नारे के साथ मैदान में है। हालांकि, सड़क पर मुकाबले के लिए उसे अभी भी ऐसे 'मुद्दे, मौके और स्थानीय बड़े चेहरे' की तलाश है, जो उसकी विधानसभा सीटें 77 से 148 तक पहुंचा सके।स्थानीय स्तर पर ममता के कद के नेता की कमी बड़ी चुनौती है। इस बीच, वाममोर्चा व कांग्रेस राज्य में अपना अस्तित्व बचाने का संघर्ष कर रहे हैं।

जो सड़क जीते सरकार उसी की: एक बंगाली दैनिक के सीनियर पत्रकार कहते हैं कि यहां जो सड़क जीत लेता है वह चुनाव जीत लेता है और फिलहाल सड़क पर ममता ही दिख रही हैं।

गोवा देश का इकलौता राज्य जहां घट गई मतदाताओं की संख्या, वोटर लिस्ट से कटे 1.27 लाख नाम

गोवा, एजेंसी। गोवा में चुनाव आयोग द्वारा शनिवार को जारी की गई अंतिम मतदाता सूची ने एक अहम और असामान्य रुझान को सामने रखा है। लगभग चार महीने तक चले विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद राज्य में मतदाताओं की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है। ड्राफ्ट मतदाता सूची की तुलना में अंतिम सूची में 2.5 प्रतिशत और पुनरीक्षण से पहले की सूची की तुलना में 10.8 प्रतिशत मतदाताओं की कमी आई है। देश में अब तक जिन नौ अन्य राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्थ्रक्र पूरा हुआ है, वहां ड्राफ्ट से अंतिम सूची के बीच मतदाताओं की संख्या बढ़ी है, जबकि गोवा इकलौता राज्य है जहां इसमें गिरावट दर्ज हुई।

क्या कहते है आंकड़े : स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन शुरू होने से पहले, 27 अक्टूबर को गोवा में कुल 11,85,034 मतदाता पंजीकृत थे। गणना चरण के बाद 16 दिसंबर को जारी ड्राफ्ट सूची में यह संख्या घटकर 10,84,992 रह गई, यानी 8.4 प्रतिशत की कमी। इसके बाद अंतिम मतदाता सूची में कुल मतदाताओं की संख्या और घटकर 10,57,666 हो गई।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ड्राफ्ट सूची में शामिल 10,84,992 मतदाताओं में से केवल 9,02,589 नाम पिछले स्थ्रक्र रोल से मैप हो पाए, जबकि 1,82,403 मतदाता अनमैप्ड पाए गए।

इसके अलावा, मैप किए गए मतदाताओं में भी 58,923 मामलों में तार्किक विसंगतियां पाई गई, जिनमें पिता के नाम में अंतर, माता-पिता या दादा-दादी के साथ आयु का असामान्य अंतर और छह से अधिक बच्चों का उल्लेख जैसी त्रुटियां शामिल थीं।

ड्राफ्ट और अंतिम सूची में अंतर : दावों और आपत्तियों की अवधि के दौरान कुल 24,949 आवेदन समावेशन या निवास परिवर्तन के लिए आए। इनमें से 12,166 आवेदनों के आधार पर नाम जोड़े गए, जबकि 3,812 मामलों में नाम काटे गए। कुल मिलाकर ड्राफ्ट और अंतिम सूची के बीच 39,592 नाम हटाए गए और 12,166 जोड़े गए, जिससे 27,426 मतदाताओं का शुद्ध विलोपन हुआ।

चीफ इलेक्शन ऑफिसर संजय गोयल के अनुसार, स्थ्रक्र की शुरुआत में मौजूद सूची की तुलना में कुल 1,27,468 मतदाताओं के नाम हटे हैं, जो कुल मतदाता सूची का लगभग 10.75 प्रतिशत है। इनमें 428 ऐसे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने पुर्तगाली पासपोर्ट हासिल कर लिया था, लेकिन उनके नाम अब तक मतदाता सूची में दर्ज थे।

कहां घटे सबसे अधिक वोटर : क्षेत्रवार देखें तो वास्को द गामा विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 11,657 नाम कटे हैं। इसके बाद कॉर्टालिम में 9,389 और डाबोलिम में 5,489 मतदाताओं के नाम हटाए गए। उत्तरी गोवा में तालेइगाओ में 4,947 और पणजी में 4,274 नामों का विलोपन हुआ।

अंतिम सूची में 5,11,436 पुरुष, 5,46,121 महिलाएं और नौ तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं। 18-19 आयु वर्ग के नए मतदाताओं का प्रतिशत ड्राफ्ट सूची के 0.5 प्रतिशत से बढ़कर अंतिम सूची में 0.89 प्रतिशत हो गया है। आयोग ने बताया कि जिन नागरिकों को अंतिम सूची पर आपत्ति है, वे नियमानुसार अपील या नया फॉर्म दाखिल कर सकते हैं।

इन राज्यों में घटे सबसे ज्यादा वोटर

अंडमान और निकोबार में मतदाता संख्या 16.9 प्रतिशत, गुजरात में 13.4 प्रतिशत और छत्तीसगढ़ में 11.8 प्रतिशत घट गई। इसके विपरीत लक्षद्वीप, केरल और राजस्थान ऐसे क्षेत्र रहे, जहां मतदाता सूची में सबसे कम गिरावट देखी गई। लक्षद्वीप में केवल 0.4 प्रतिशत, केरल में 3.2 प्रतिशत और राजस्थान में 5.7 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। ड्राफ्ट और अंतिम सूची के बीच सभी राज्यों में एक जैसा बदलाव नहीं हुआ, जिसका असर राज्यों की आपसी रैंकिंग पर भी पड़ा है। केरल, जो ड्राफ्ट चरण में अधिक कटौती वाले राज्यों में शामिल था, अंतिम सूची में सबसे कम गिरावट वाले तीन राज्यों में पहुंच गया। दूसरी ओर मध्य प्रदेश और गोवा, जो पहले अपेक्षाकृत नीचे थे, अब अधिक कटौती वाले राज्यों की सूची में ऊपर आ गए हैं। किन राज्यों में कितना बदलाव ड्राफ्ट और अंतिम सूची के बीच सबसे बड़ा सुधार केरल में देखने को मिला, जहां मतदाता संख्या में 5.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में 4.7 प्रतिशत और पुडुचेरी में 2.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

चुनाव की तारीखों से पहले ही छावनी बनेगा बंगाल, आचार संहिता लगने से पहले ही मोर्चा संभालेगी फोर्स

कोलकाता, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआइ) ने बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने राज्य में मतदान की तिथियों की घोषणा और आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले ही केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती का आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। निर्वाचन आयोग द्वारा शनिवार को जारी इस अधिसूचना ने राज्य के राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया यह निर्णय दर्शाता है कि आयोग इस बार बंगाल में कानून-व्यवस्था को लेकर बेहद गंभीर है।

होली के तत्काल बाद घोषित हो जाएगा चुनाव : आयोग की योजना के अनुसार, केंद्रीय बलों की यह तैनाती दो रणनीतिक चरणों में संपन्न की जाएगी। पहले चरण की शुरुआत आगामी एक मार्च से होगी। गौर करने वाली बात यह है कि इस अवधि तक न तो चुनाव की तिथि अधिसूचित होंगी और न ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी होगी। इसके बाद दूसरा चरण 10 मार्च से शुरू होगा, जिसके बारे में यह संभावना जताई जा रही है कि तब तक चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी होगी और आचार संहिता लागू हो जाएगी। सूत्रों के अनुसार, निर्वाचन आयोग होली के तत्काल बाद मतदान के विभिन्न चरणों की घोषणा कर सकता है। इन दो शुरुआती चरणों में कुल 480 कंपनियों को तैनात करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें प्रत्येक चरण में 240-240 कंपनियां भेजी जाएंगी। एक मार्च को पहुंचने वाली पहली खेप में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआइरीएफ) की 110 कंपनियां, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 55, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) की 21, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) की 27 और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 27 कंपनियां शामिल होंगी। वहीं, 10 मार्च के दूसरे चरण में बलों की संख्या में फेरबदल करते हुए सीआरपीएफ की 120 और बीएसएफ की 65 कंपनियों सहित अन्य बलों का मिश्रण तैनात किया जाएगा।

आवाजाही और तैनाती के लिए सीआरीएफ होगी मुख्य समन्वयकारी एजेंसी : निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि इस पूरी आवाजाही और तैनाती के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल मुख्य समन्वयकारी एजेंसी के रूप में कार्य करेगी। साथ ही, पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया गया है कि वह संबंधित बलों के मुख्य समन्वयकों के साथ मिलकर तैनाती की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करे। इन बलों की वापसी के संबंध में निर्णय उचित समय पर लिया जाएगा। समय से पहले बलों की इस दस्तक को संवेदनशील इलाकों में मतदाताओं के बीच विश्वास पैदा करने और संभावित हिंसा को रोकने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

वाटिका रोड पर बदमाशों ने मचाया उपद्रव, नकाबपोशों ने लाठी-डंडों से ढाबे में की जमकर तोड़फोड़

जयपुर, एजेंसी। जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में कानून-व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए बेखौफ बदमाशों ने देर रात भारी उत्पात मचाया। मामला जयपुर के वाटिका रोड स्थित एक सड़क किनारे बने ढाबे का है, जहाँ करीब आधा दर्जन नकाबपोश बदमाशों ने अचानक हमला बोल दिया।

सीसीटीवी में कैद हुई दहशत : वारदात की पूरी घटना ढाबे में लगे कैमरों में कैद हो गई है। फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि लाठियों और डंडों से लैस ये हमलावर किस तरह ढाबे के अंदर दाखिल होते हैं और संपत्ति को नुकसान पहुंचाना शुरू कर देते हैं। नकाबपोशों ने न केवल फर्नीचर और अन्य सामान को तोड़ा, बल्कि वहां मौजूद लोगों के बीच दहशत भी फैला दी। देर रात हुई इस अचानक तोड़फोड़ से इलाके में हड़कंप मच गया। हमलावर वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए। स्थानीय पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि यह हमला किसी पुरानी रंजिश का नतीजा है या फिर वसूली के इरादे से दहशतगर्दी की गई है।

नाबालिग से जघन्य अपराध के दोषी कोच को उम्रकैद, कोलकाता में की थी हत्या-लूटपाट की कोशिश

कोलकाता, एजेंसी। एक तैराकी प्रशिक्षक को नाबालिग लडकी की हत्या का प्रयास और लूटपाट के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। सियालदह अदालत के न्यायाधीश अनिर्बन दास ने शनिवार को यह फैसला सुनाया। अदालत ने आरोपित संदीप साउ को शुक्रवार को दोषी ठहराया था। यह घटना 2015 में कोलकाता के चितपुर इलाके में हुई थी। अदालती सूत्रों के अनुसार, 18 मार्च, 2015 को तैराकी प्रशिक्षक नाबालिग के फ्लैट में दाखिल हुआ। उस समय नाबालिग के माता-पिता नहीं थे। नाबालिग फ्लैट में अकेली थी। हालांकि नाबालिग व उसके माता-पिता तैराकी प्रशिक्षक से परिचित थे।

संदीप साउ ने फ्लैट में घुसते ही अलमारी खोली तथा पैसे व गहने निकालने लगा। उसने नाबालिग से कहा कि उसे अपने पिता के इलाज के लिए पैसों की जरूरत है। घटना को देखकर नाबालिग ने इसका विरोध किया। आरोप है कि संदीप ने तौलिए से नाबालिग का गला घोंटकर मारने की कोशिश की। इतना ही नहीं, उसने नाबालिग को चाकू से गोद दिया। खून से लथपथ होकर नाबालिग बेहोश हो गई। इसी बीच, संदीप फरार हो गया। बाद में, जब नाबालिग को होश आया, तो उसने दूसरे फ्लैट के पड़ोसियों को घटना की जानकारी दी। पड़ोसी उसे अस्पताल ले गए। पुलिस को सूचना दी गई। लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच के बाद संदीप साउ को गिरफ्तार कर लिया। सियालदह अदालत में मामला दर्ज किया गया। अदालत में कुल 22 लोगों ने गवाही दी।

ओडिशा में ट्रेलर ने पुलिस की गाड़ी को मारी टक्कर

5 जवानों की मौत; 3 की हालत नाजुक

गोवाहाटी, एजेंसी। ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में रविवार तड़के एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने पुलिस की बोलेरो गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे पांच पुलिस कर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई। तीन अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हैं। यह दुर्घटना इतनी भीषण थी कि पुलिस वाहन के परखच्चे उड़ गए। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना झारसुगुड़ा सदर पुलिस स्टेशन के पास सुबह के समय हुई।

पुलिस की बोलेरो ड्यूटी पर थी, तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार ट्रेलर ने उसे सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो पूरी तरह पिचक गई, जिससे उसमें सवार पांच कर्मियों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। इस हादसे में अपनी जान गंवाने वाले जवानों की पहचान कर ली गई है। पुलिस विभाग ने मृतकों के नाम साझा करते हुए गहरा शोक व्यक्त किया है। इस दुर्घटना में ड्रिल सब-इंस्पेक्टर निरंजन कुजूर, एपीआर कर्मी काशीराम भोई, एपीआर कर्मी देबदत्त सा, एपीआर हवलदार लिंगराज धुरुआ और होमगार्ड भक्तबंधु मिर्धा का निधन हुआ है।

दुर्घटना में घायल हुए तीन अन्य कर्मियों में आर्म्ड पुलिस रिजर्व के दो सदस्य और एक सार्जेंट शामिल हैं। स्थानीय पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर उन्हें बाहर निकाला और तुरंत झारसुगुड़ा जिला मुख्यालय अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार, तीनों की हालत काफी नाजुक बनी हुई है और उन्हें विशेषज्ञों की कड़ी निगरानी में रखा गया है। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

तमिलनाडु में दिल्ली पुलिस का बड़ा एक्शन

तिरुप्पुर, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने तमिलनाडु के तिरुप्पुर से छह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों के समर्थन में ऑनलाइन सामग्री साझा करने का आरोप है। दिल्ली पुलिस की एक विशेष टीम ने खुफिया जानकारी के आधार पर तिरुप्पुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी की। इस दौरान उथुकुली से दो, पल्लाडम से तीन और थिरुमुरुगनपुंडी से एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया।

पहचान छुपाने के लिए फर्जी दस्तावेज : जांच में सामने आया कि ये सभी आरोपी बांग्लादेशी नागरिक हैं जो अवैध रूप से भारत में रह रहे थे।

जंग के मैदान में तब्दील हुई पहाड़ियां

छत्तीसगढ़ में दो हजार जवानों ने घेरा माओवादियों का सुरक्षित ठिकाना

जगदलपुर, एजेंसी। माओवादी हिंसा के समूल खात्मे की 31 मार्च 2026 की समय-सीमा से पहले सुरक्षाबल ने छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर स्थित कर्रेगुट्टा पहाड़ी में निर्णायक अभियान शुरू किया है। छत्तीसगढ़ के सुकमा, दंतेवाड़ा व बीजापुर जिलों से आए करीब दो हजार जवानों ने पहाड़ी को पूरी तरह से घेर लिया है। सुरक्षा एजेंसियों का लक्ष्य माओवादियों के शेष नेटवर्क व उनके अंतिम सुरक्षित ठिकानों को पूरी तरह ध्वस्त करना है।

खुफिया एजेंसियों के इनपुट के आधार पर कर्रेगुट्टा क्षेत्र में केशा, पापाराव जैसे 100 से अधिक माओवादी हिंसकों की मौजूदगी की बात सामने आई है। इसी आधार पर पहाड़ी की रणनीतिक घेराबंदी कर सर्च और कांबिंग ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सर्विलांस, आधुनिक संचार उपकरण व रियल-टाइम मॉनिटरिंग के जरिये हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। कर्रेगुट्टा पहाड़ी के नीचे पहले से स्थापित स्थायी सुरक्षा कैंप के चलते रसद, चिकित्सा और त्वरित सहायता व्यवस्था इस बार अधिक मजबूत बताई जा रही है। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में इसी क्षेत्र में सुरक्षाबल की बड़ी कार्रवाई में 31 माओवादी मारे गए थे व भारी मात्रा में हथियार व विस्फोटक बरामद किए गए थे। सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि मौजूदा अभियान माओवादियों की शेष ताकत को निर्णायक रूप से तोड़ सकता है। गृह मंत्री शाह ने दिए थे सख्त कार्रवाई के संकेतहाल ही में बस्तर दौरे पर आए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सक्रिय माओवादी नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई के संकेत दिए थे।

आसमान का नया सुल्तान, तुर्की के पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट कान ने दुनिया को चौंकाया

अंकारा, एजेंसी। रक्षा तकनीक और लड़ाकू विमानों की दुनिया में तुर्की ने एक ऐतिहासिक छलांग लगाते हुए अपने स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी के सुपरसोनिक स्टील्थ फाइटर जेट कान को वैश्विक मंच पर पेश कर दिया है। इसे केवल एक विमान नहीं, बल्कि तुर्की की सैन्य आत्मनिर्भरता के बढ़ते प्रभाव के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका के एफ-35 जैसे अदृश्य (स्टील्थ) गुणों और फ्रांस के राफेल से भी अधिक तेज रफ्तार के साथ कान ने दुनिया की महाशक्तियों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इस जेट की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सुपरक्रूज क्षमता है, जो इसे दुश्मन के रडार की नजरों से बचकर ध्वनि की गति से भी तेज उड़ान भरने में सक्षम बनाती है। इसके आने से न केवल तुर्की की सामरिक शक्ति बढ़ी है, बल्कि पड़ोसी देशों और वैश्विक प्रतिद्वंद्वियों के बीच नई रणनीतिक चिंताएं भी पैदा हो गई हैं। तुर्की का यह महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट, जिसे टीएफ-एक्स के नाम से भी जाना जाता है, अब अपने परीक्षण के सबसे उन्नत चरणों में पहुंच चुका है। फरवरी 2026 तक इसके दूसरे प्रोटोटाइप ने भी सफल उड़ान भरकर यह साबित कर दिया है कि तुर्की अब अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों की श्रेणी में मजबूती से खड़ा है। इस परियोजना के माध्यम से तुर्की अपनी सैन्य जरूरतों के लिए अमेरिकी तकनीक पर निर्भरता को कम कर एक स्वतंत्र वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर है। कान की डिजाइनिंग में रडार एब्जॉर्बेंट मटेरियल (आरएएम) कोटिंग का इस्तेमाल किया गया है, जो रडार सिग्नलों को सोख लेती है और विमान को दुश्मन की पहुंच से बाहर रखती है। हथियारों के मामले में कान बेहद घातक है। यह पूरी तरह से तुर्की में विकसित गोकडोगन और बोजडोगन मिसाइलों से लैस है, जो इसे हवा से हवा में छोटी और लंबी दूरी तक सटीक मारक क्षमता प्रदान करती हैं। इसकी सबसे खास बात इसकी इंटरनल वेपन बे है, जिसमें मिसाइलें विमान के ढांचे के अंदर छिपी रहती हैं, जिससे रडार पर इसकी आकृति नगण्य हो जाती है। इसके अलावा, एसओएम-जे जैसी स्टैंड-ऑफ क्रूज मिसाइलें इसे सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थित लक्ष्यों को बिना करीब गए तबाह करने की शक्ति देती हैं। एसेल्सन द्वारा निर्मित अत्याधुनिक एईएसए रडार इसे एक साथ दर्जनों लक्ष्यों को ट्रैक करने की क्षमता देता है।

ईरान पर सीमित सैन्य हमले पर विचार कर रहे ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वे ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर दबाव बनाने के लिए सीमित सैन्य कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने स्पष्ट किया, मैं कह सकता हूं कि मैं इस पर विचार कर रहा हूं। उन्होंने यह भी बताया कि अगले 10 से 15 दिनों के भीतर इस बारे में अंतिम निर्णय लिया जाएगा, हालांकि तेहरान के साथ किसी समझौते की संभावना अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। सीएनबीसी के रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा था कि ईरान पर हमला किया जाए या नहीं, इस पर वे 10 से 15 दिनों में फैसला लेंगे। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अगर परमाणु कार्यक्रम को लेकर तेहरान के साथ समझौता हो जाता है, तो सैन्य कार्रवाई टाली जा सकती है। हालांकि ट्रंप पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि अगर अमेरिका ईरान पर हमला करता है, तो वह जून में ईरानी परमाणु ठिकानों पर किए गए सीमित अमेरिकी हमलों से कहीं ज्यादा गंभीर होगा।

परमाणु वार्ता में नहीं झुकेगा ईरान : ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने शनिवार को कहा कि अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता के बीच उनका देश विश्व शक्तियों के दबाव के आगे नहीं झुकेगा।

ट्रंप के सामने खामेनेई व बेटे की हत्या का विकल्प : ट्रंप के सामने सैन्य विकल्पों के रूप में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके बेटे मोजतबा खामेनेई की लक्षित हत्या जैसे विकल्प भी प्रस्तुत किए गए हैं। हालांकि, राष्ट्रपति ने फिलहाल ईरान पर हमले के मुद्दे पर फैसला नहीं लिया है। ट्रंप के वरिष्ठ सलाहकार के हवाले से एक्सियोस ने अपनी रिपोर्ट में बताया है।

बलूचिस्तान की अम्मा हूरी का इंतजार अधूरा, लापता बेटे की राह देखते-देखते दुनिया को कहा अलविदा

क्वेटा, एजेंसी। बलूचिस्तान की एक साहसी मां, अम्मा हूरी, जो अपने लापता बेटे गुल मोहम्मद मर्री की वापसी के लिए पिछले 14 वर्षों से संघर्ष कर रही थीं, का इंतजार कभी पूरा नहीं हुआ। 16 फरवरी को 80 वर्ष की उम्र में अम्मा हूरी ने अंतिम सांस ली। वह बलूचिस्तान की उन हज़ारों माताओं की प्रतीक बन गई, जो पाकिस्तान सरकार की सामूहिक दंड की नीतियों का शिकार हो चुकी हैं। अम्मा हूरी ने पिछले कई वर्षों में बिना थके अपने बेटे की वापसी के लिए शासन से कई बार अपील की, लेकिन उनका संघर्ष कभी सफल नहीं हुआ। वह जबरन गुमशुदगी के खिलाफ पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में धरनों और विरोध प्रदर्शनों में शामिल होती रही थीं। इसके अलावा, उन्होंने स्थानीय अदालतों और थानों में भी न्याय की मांग की, जिससे उनका संघर्ष एक प्रतीक बन गया था।

बलूचिस्तान में लापता लोगों की समस्या : रिपोर्टों के मुताबिक, अम्मा हूरी के बेटे गुल मोहम्मद मर्री को 2012 में कथित तौर पर पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा जबरन गायब कर दिया गया था। इसके बाद अम्मा हूरी अपने बेटे के लिए न्याय की लड़ाई लड़ती रही थीं, और यह संघर्ष पूरे बलूचिस्तान में एक राजनीतिक चेतना का हिस्सा बन गया। बलूचिस्तान की हर मां की तरह अम्मा हूरी ने भी लगातार प्रयास किए, लेकिन अंततः उनका इंतजार अधूरा ही रहा।

सामाजिक और राजनीतिक संघर्ष: उनकी जैसी माताओं का दर्द अब बलूचिस्तान के जनजीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। द बलूचिस्तान की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अम्मा हूरी जैसे संघर्षशील व्यक्तियों ने बलूचिस्तान और पाकिस्तान राज्य के बीच के रिश्तों पर गहरा असर डाला है। बलूचिस्तान में लापता व्यक्तियों के परिवारों की अपीलों को पाकिस्तान सरकार द्वारा नजरअंदाज किया गया है, बावजूद इसके ये संघर्ष जारी रहे।

'अम्मा हूरी' का संघर्ष और उनकी विरासत: पाकिस्तानी समाचार पत्र डॉन के अनुसार, अम्मा हूरी ने जीवनभर अपने बेटे की वापसी की उम्मीद में सार्वजनिक रूप से न्याय की मांग की। वह अक्सर सड़कों पर और लापता व्यक्तियों के कैंप में अपने बेटे के लिए न्याय की आवाज उठाती थीं। उनके संघर्ष की कहानी अब तक कई अन्य बलूच महिलाओं को प्रेरित करती है, जो आज भी लापता व्यक्तियों के लिए संघर्ष कर रही हैं। नसरुल्लाह बलूच, जो वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स के चेयरमैन हैं, कहते हैं, अम्मा हूरी के निधन के बाद उनकी लड़ाई को कोई नहीं भुला सकता। सोशल मीडिया पर उनके संघर्ष के वीडियो और संदेश आज भी वायरल हो रहे हैं, जो उनकी दृढ़ता और साहस का प्रतीक बने हुए हैं।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में एनएसएस विशेष शिविर का गरिमामय समापन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन रविवार को उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह शिविर 16 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर 22 फरवरी 2026 तक आयोजित किया गया समापन समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओ.पी. नामदेव ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में अजीत कुमार सिंह उपयंत्री राज्य नगरीय अभियांत्रिकी सेवा उपस्थित रहे। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताते हुए सेवा और समर्पण की भावना को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को केवल सामाजिक कार्यों से ही

नहीं जोड़ती, बल्कि उनमें नेतृत्व क्षमता, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास भी करती है कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। सात दिवसीय शिविर के दौरान स्वयंसेविकाओं ने स्वच्छता अभियान, मतदाता जागरूकता रैली, नशा मुक्ति अभियान, महिला सशक्तिकरण जागरूकता कार्यक्रम तथा ग्राम सर्वेक्षण जैसे जनहितकारी कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किए। साथ ही सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक संदेश भी प्रसारित किए गए। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रतिमा कौल ने शिविर की विस्तृत प्रतिवेदन रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि शिविर का उद्देश्य व्यक्तित्व विकास के माध्यम से समाज सेवा था, जिसमें स्वयंसेविकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई उन्होंने सहयोग प्रदान करने वाले सभी सहयोगियों एवं ग्रामवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया समारोह के अंत में स्वयंसेविकाओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कांग्रेस नेता ने किया यूजीसी का समर्थन: पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल प्रेस वार्ता में घिरे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में कांग्रेस के भीतर यूजीसी को लेकर अलग-अलग सुर सुनाई देने लगे हैं एक तरफ कांग्रेस नेता कुंवर सिंह खुलेआम यूजीसी के समर्थन में सड़क पर उतर आए, तो दूसरी ओर प्रदेश नेतृत्व पहले ही इस तरह के किसी भी कानून पर आपत्ति जता चुका है कुंवर सिंह ने समर्थकों के साथ प्रदर्शन किया और कहा, 'अभी तो ये ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि यदि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है इधर, पहुंचे कांग्रेस नेता कमलेश्वर पटेल से जब पत्रकारों ने कुंवर सिंह के रुख और पार्टी की आधिकारिक लाइन को लेकर सवाल पूछे तो वे असहज नजर आए। लगातार सवालों से घिरे कमलेश्वर पटेल भड़क गए और उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया दी स्थिति को संभालने के लिए जिलाध्यक्ष और महापौर को बीच-बचाव करना पड़ा हालांकि बाद में कमलेश्वर पटेल ने कुंवर सिंह को नसीहत दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कोई भी नेता पार्टी लाइन से क्रॉस जाकर कोई कदम न उठाए और अनावश्यक बयानबाजी से बचे। पार्टी अनुशासन सर्वोपरि है और सभी को संगठन की आधिकारिक नीति के अनुरूप ही अपनी बात रखनी चाहिए।

दो दिन तक बिजली सप्लाई रहेगी बंद, हाथियों की मौजूदगी से वन विभाग अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ग्रामीण अंचलों में हाथियों की मौजूदगी के कारण प्रशासन और वन विभाग ने सुरक्षा के लिए कदम उठाए हैं रविवार को हाथियों की गतिविधियों की पुष्टि होने के बाद, 25 गांवों में अगले दो दिनों के लिए एहतियातन बिजली आपूर्ति बंद करने का निर्णय लिया गया है।

35 कर्मचारियों की टीम सुरक्षा के लिए तैनात: वन विभाग के एसडीओ बादशाह रावत ने बताया कि हाथियों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। लगभग 35 कर्मचारियों की एक टीम प्रभावित और आसपास के क्षेत्रों में तैनात है, जो स्थिति पर पैनी नज़र बनाए हुए है उन्होंने ग्रामीणों से सतर्क रहने, घरों की बिजली स्वेच्छा से बंद रखने और रात्रि में केवल मोमबत्ती या

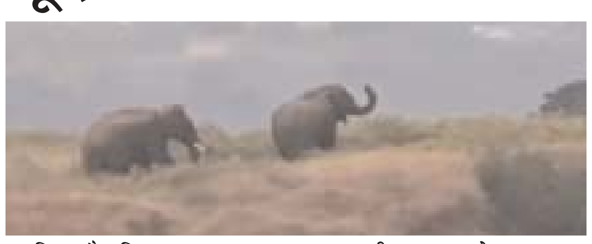

सुरक्षित वैकल्पिक प्रकाश का इस्तेमाल करने की अपील की है ताकि हाथियों को आकर्षित करने वाली तेज रोशनी से बचा जा सके अकोरी, भोलगढ़, ठाकुरदेवा, बेलदह, करणपुर, नौगवा, मिर्चवार, चूल्ही, बारिगवां, बढ़ौरा, पुरुषोत्तमगढ़, झगरहा, हनुमानगढ़, चौहानी, धनिगवां, नौसा, दुधमनिया, सेमरिया, कुबरी, कठौतहा, दुअरा, पावा और सर्रा सहित कई गांवों में हाथियों की संभावित आवाजाही के बारे में सूचना दी है। उन्होंने ग्रामीणों से पानी की पर्याप्त व्यवस्था रखने और आपसी समन्वय के साथ जानकारी साझा करने का आग्रह किया है, क्योंकि परिस्थितियों के अनुसार किसी भी समय बिजली बंद की जा सकती है हाथी दिखने पर विभाग को सूचना देने की अपील वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई केवल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की गई है। हाथियों के विचरण वाले क्षेत्रों में तेज रोशनी, शोर-शराबा और अनावश्यक भीड़ से बचने की सलाह दी गई है। साथ ही, यदि किसी भी स्थान पर हाथी दिखाई दें, तो तत्काल वन विभाग को सूचित करने की अपील की गई है।

माड़ा वनक्षेत्र में अवैध बोरिंग मशीन जब्तें देर रात विरोध के बावजूद वन अमले की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के माड़ा वनपरिक्षेत्र में वन विभाग ने अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई की है शनिवार देर रात करीब 1:30 बजे वनभूमि पर अवैध रूप से बोरिंग कर रही एक मशीन को जब्त किया यह कार्रवाई वनपरिक्षेत्राधिकारी पुष्पा सिंह के निर्देशन में और परिक्षेत्र सहायक मकरोहर के मार्गदर्शन में संपन्न हुई जानकारी के अनुसार, बीटगार्ड मकरोहर, छतौली, मथानीडांड, जीर, भदैली और कचरा की संयुक्त टीम को सूचना मिली थी इस सूचना में बताया गया था कि कुछ लोग संगठित होकर वन विभाग की भूमि पर कब्जा कर व्यावसायिक खेती कर रहे हैं। इस खेती के लिए पानी उपलब्ध कराने हेतु वनभूमि में अवैध रूप से बोरिंग करवाई जा रही थी वन अमले से विवाद, जब्ती में डाली बाधा सूचना मिलते ही वन अमला मौके पर पहुंचा, जहां बोरिंग मशीन से काम चलता पाया गया। कार्रवाई के दौरान आरोपियों ने डिप्टी रेंजर और बीटगार्ड के साथ देर रात विवाद किया उन्होंने संगठित होकर वाहन जब्ती में बाधा डालने का भी प्रयास किया स्थिति तनावपूर्ण होने के बावजूद, वन अमले ने संयम और साहस का परिचय दिया।

402 बदमाशों पर पुलिस की कारवाई, नाइट कॉम्बिंग गश्त में फरार चालकों को नियम पालन करने की हिदायत

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात व्यापक नाइट कॉम्बिंग गश्त की गई यह कार्रवाई जिलेभर में एक साथ चलाई गई, जिससे अपराधियों में दहशत और आम नागरिकों में सुरक्षा का भाव दिखा इस अभियान के तहत जिले के सभी अनुभागों में थाना और चौकी स्तर पर पुलिस टीमों का गठन किया गया। इन टीमों ने संवेदनशील इलाकों, प्रमुख बाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और हाईवे पर सघन गश्त और विशेष निगरानी रखी। तकनीकी शाखा की सहायता से कट-ऑफ पार्टियां लगाकर संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की गई कुल 402 बदमाशों और आरोपियों पर कार्रवाई की गई इस कार्रवाई के दौरान कुल 402

बदमाशों और आरोपियों पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे 24 स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया। इसके अतिरिक्त, 164 गिरफ्तारी वारंटियों को भी पकड़ा गया, जिन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। पुलिस ने 112 निगरानी बदमाशों और 96 गुंडा बदमाशों की भी जांच की। अभियान में यातायात नियमों के उल्लंघन पर भी सख्ती बरती गई। छह वाहनों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए उनके चालकों को नियमों का पालन करने की हिदायत दी गई। देर रात बिना किसी वैध कारण के घूम रहे संदिग्ध युवकों को चेतावनी देकर छोड़ा गया। बैंकों और एटीएम परिसरों का भी औचक निरीक्षण किया गया पुलिस की सक्रिय मौजूदगी के कारण रातभर जिले में शांति का माहौल बना रहा। इस नाइट कॉम्बिंग अभियान को अपराध नियंत्रण की दिशा में एक प्रभावी कदम माना जा रहा है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भविष्य में भी इस तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

माफिया ने थाने के सामने रेत से भरा वाहन छुड़ाया, वन विभाग को चकमा देकर भागा आरोपी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के चितरंगी थाना क्षेत्र में रेत माफिया ने वन विभाग के कब्जे से रेत से भरा वाहन छुड़ा लिया। घटना चितरंगी थाने के ठीक सामने हुई पुलिस ने इस मामले में दो नामजद सहित कई अन्य लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है चितरंगी थाना प्रभारी सुदेश तिवारी ने बताया कि देर रात सोन घड़ियाल अभ्यारण के अधिकारियों ने शिकायत दर्ज कराई थी शिकायत के अनुसार, प्रतिबंधित क्षेत्र से रेत माफिया अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रहे थे सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और प्रतिबंध क्षेत्र से रेत से भरा एक ट्रिपर जब्त किया पुलिस माफिया का पीछा करते रहे लेकिन भागने में सफल हो गया। वन विभाग का अमला जब्त किए गए ट्रिपर को सुरक्षित खड़ा करने के लिए चितरंगी थाने ला रहा था। इसी दौरान थाने के सामने ही रेत माफिया से जुड़े लोग मौके पर पहुंच गए आरोप है कि ट्रिपर वाहन मालिक सूर्यांश सिंह और चालक दीपक पटेल निवासी सुदा गांव, अपने अन्य साथियों के साथ वहां पहुंचे। उन्होंने वन अमले से ट्रिपर छुड़ाया और फरार हो गए एक प्रत्यक्षदर्शी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि थाने के सामने काफी देर तक विवाद की स्थिति बनी रही ट्रिपर थाना गेट के सामने खड़ा था, तभी स्कॉर्पियो में सवार होकर कुछ लोग आए। उन्होंने वन विभाग के अमले के साथ धक्का-मुक्की की और ट्रिपर लेकर भाग निकले। डायल-102 वाहन ने आरोपियों का पीछा भी किया, लेकिन तब तक वे मौके से फरार हो चुके थे।

पुजारी मर्डर केस में कार्रवाई न होने पर ब्राह्मण नाराज, प्रशासन पर वादाखिलाफी का आरोप 24 फरवरी से अनिश्चितकालीन धरना

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कुसमी तहसील मुख्यालय में पुजारी इंद्रभान द्विवेदी की हत्या के मामले में कार्रवाई न होने पर अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा ने अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू करने की चेतावनी दी है। यह प्रदर्शन 24 फरवरी 2026 से ग्राम भगवार में होगा रविवार को महासभा ने प्रतीकात्मक धरना देकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा महासभा का आरोप है कि 15 फरवरी 2026 को सीधी कलेक्टर को कुसमी तहसीलदार के माध्यम से एक ज्ञापन सौंपा गया था इसमें उपखंड अधिकारी ने एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई का आश्वासन दिया था लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है इसी वादाखिलाफी के विरोध में यह

प्रदर्शन किया जा रहा है संगठन ने ज्ञापन में कई प्रमुख मांगें रखी हैं इनमें हत्याकांड की पृष्ठभूमि में 'हिंदू पूजा-पाठ विरोधी संगठनों' की भूमिका की जांच कर आरोपियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग शामिल है इसके साथ ही, एक उच्च स्तरीय एसआईटी गठित कर निष्पक्ष जांच और मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने की भी मांग की गई है।

महासभा का आरोप है कि फरार संदिग्धों के बारे में पुलिस को सूचना देने के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई तीसरी मांग के तहत, मुख्य आरोपी कामता उर्फ लाला केवट पर तहसील परिसर में अवैध अतिक्रमण और खुले बूचड़खाने के संचालन का आरोप लगाते हुए उसके मकान को ध्वस्त करने तथा घर से कथित अवैध हथियारों को जब्त करने की मांग की गई है चौथी मांग में मृतक पुजारी के परिजनों को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की अपेक्षा की गई है पांचवीं मांग में मंदिर समिति और स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की गई है संगठन का कहना है कि आरोपी पक्ष के परिजन आपराधिक प्रवृत्ति के हैं, जिससे क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है। महासभा ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों पर विधिवत कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. संजय त्रिपाठी, प्रदेश अध्यक्ष पं. पुष्पेंद्र मिश्रा और जिलाध्यक्ष पं. राकेश दुबे सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अनियंत्रित होकर पलटी बाइक ट्रक से बचने की कोशिश में हुआ हादस

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रामपुर नैकिन क्षेत्र में एक बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बाइक सवार छोटेलाल यादव (52) गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना रविवार शाम की है। हादसा तब हुआ, जब वे अपने गांव पडखुड़ी 588 से रामपुर नैकिन की ओर से वापस घर लौट रहे थे दरअसल, छोटेलाल सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक से बचने की कोशिश में अपनी बाइक का संतुलन खो बैठे उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गिर गई। हादसे में बाइक सवार को पैर, सीने, सिर और नाक में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के समय समाजसेवी विजय शुक्ला और राजकुमार सोनी (महाकाल) चुरहट की तरफ से लौट रहे थे। उन्होंने घायल छोटेलाल यादव को सड़क किनारे पड़ा देखा और तुरंत मदद के लिए आगे आए डायल 112 और 108 एंबुलेंस को सूचना देने के बावजूद लगभग आधे घंटे तक कोई सहायता नहीं पहुंची। इसके बाद दोनों समाजसेवियों ने घायल को अपनी चार पहिया गाड़ी से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर नैकिन पहुंचाया अस्पताल में पदस्थ कर्मचारी संदीप ने बताया कि घायल छोटेलाल यादव को गंभीर चोटें आई हैं और उनका इलाज जारी है डॉक्टरों के प्राथमिक इलाज के बाद उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। घटना की जानकारी पुलिस को भी दे दी गई है हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।थाना रामपुर नैकिन के प्रभारी सुधांशु तिवारी ने बताया कि दुर्घटना में एक व्यक्ति घायल हुआ है।

संरक्षक दीपक बाधवानी के निधन पर हिन्दू धर्म परिषद ने दी अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हिन्दू धर्म परिषद के संरक्षक मंडल के सदस्य एवं वरिष्ठ समाजसेवी दीपक बाधवानी के असामयिक निधन से सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। परिषद ने अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस दुखद घड़ी में संबल प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है।

परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी मार्गदर्शक डॉ. सी.बी. शुक्ला, डॉ. के.के. परौहा, डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. राहुल मिश्रा सहित संरक्षक मंडल और पदाधिकारियों ने अपने शोक संदेश में स्वर्गीय बाधवानी के निधन को संस्था के लिए अपूर्णनीय क्षति बताया।

परिषद पदाधिकारियों ने कहा कि स्व. दीपक बाधवानी का व्यक्तित्व कर्मठ सरल और मिलनसार था। वे धार्मिक आयोजनों और सामाजिक सेवा कार्यों में सदैव अग्रणी भूमिका निभाते थे। उनका योगदान और स्नेहिल व्यवहार सदस्यों के हृदय में सदैव जीवित रहेगा।

स्काउट-गाइड आंदोलन के जनक को नमन, विद्यालय में हुआ गरिमामय समारोह

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में स्काउटिंग के जन्मदाता लॉर्ड बैडेन पावेल का जन्मदिवस बड़े हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी द्वारा लॉर्ड बैडेन पावेल के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया इस अवसर पर संयोजक स्काउट कैप्टनआर.पी. पटेल, गाइड कैप्टन सुचिता सिंह एवं माधुरी वर्मा तथा पूर्व स्काउट कैप्टन मनीष कुमार दीक्षित ने प्राचार्य को स्कार्फ पहनाकर सम्मानित किया। तत्पश्चात उप प्राचार्य सुबोध कुमार तिवारी, समस्त

स्टाफ, विद्यालय कैप्टन मास्टर हर्षित द्विवेदी एवं कुमारी आर्मेटिव द्विवेदी ने लॉर्ड बैडेन पावेल के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर धूप-दीप प्रज्वलित करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की स्काउट कैप्टन आर.पी. पटेल ने विद्यार्थियों को स्काउट-गाइड के नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना एवं इतिहास की विस्तृत जानकारी दी। वहीं गाइड संध्या शाह ने लॉर्ड बैडेन पावेल के संपूर्ण जीवन एवं उनके योगदान पर प्रकाश डाला। अपने उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी ने कहा कि स्काउट-गाइड युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासित जीवन शैली, शारीरिक एवं बौद्धिक विकास तथा सेवा भाव की भावना विकसित करने वाला एक अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक आंदोलन है यह छात्रों को आत्मनिर्भर, जिम्मेदार एवं साहसी नागरिक बनने की प्रेरणा देता है।

ट्रंप की मनमानी पर रोक, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने निकाल दी हेकड़ी

संपादकीय

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत सहित कई देशों पर लगाए गए टैरिफ को अवैध ठहराया, जिससे उनकी मनमानी पर रोक लगी। यह फैसला ट्रंप के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका है, खासकर मध्यावधि चुनावों से पहले। हालांकि, ट्रंप ने तुरंत 10त्न टैरिफ का कार्यकारी आदेश जारी किया। लेख चेतावनी देता है कि ट्रंप अप्रत्याशित कदम उठा सकते हैं, और भारत को उनसे सतर्क रहना होगा।मुझे टैरिफ से प्यार है और यह मेरा पसंदीदा शब्द है, ऐसा कहकर इतराने वाले राष्ट्रपति ट्रंप की अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने हेकड़ी निकाल दी। उसने अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से भारत समेत तमाम देशों पर थोपे गए टैरिफ को अवैध करार दिया। खास बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट के उन दो न्यायाधीशों ने भी ट्रंप की टैरिफ नीति को उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर माना, जिनकी नियुक्ति स्वयं उन्होंने की थी। इससे पता चलता है कि ट्रंप टैरिफ के मामले में किस तरह नियम-कानूनों की घोर अनदेखी करने में लगे हुए थे।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला न केवल ट्रंप की टैरिफ नीति की हवा निकालने वाला, बल्कि उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर करने वाला भी है, क्योंकि वे एक तरह से अवैधानिक काम करते पकड़े गए। ट्रंप अपनी टैरिफ नीति के जरिये अपने समर्थकों के बीच यह माहौल बनाने में जुटे थे कि वे अमेरिका को मालामाल कर रहे हैं, लेकिन अब उन्हें भी ठगे जाने का अहसास होगा और वह भी ऐसे समय, जब अमेरिका में मध्यावधि चुनाव होने हैं।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला ट्रंप की कम होती लोकप्रियता को और कम करने वाला है और इसका उन्हें राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है, लेकिन यह भी तय है कि वे चैन से बैठने वाले नहीं हैं। इसका एक प्रमाण यह है कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कुछ ही घंटों बाद एक कार्यकारी आदेश जारी कर सभी देशों पर दस प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी। हालांकि इसकी अवधि पांच महीने ही रहेगी, लेकिन इस बीच ट्रंप अन्य उपायों का सहारा लेने की कोशिश कर सकते हैं। ट्रंप अमेरिका के साथ अनुचित एवं भेदभावपूर्ण व्यापार का आरोप लगाकर कुछ देशों पर अतिरिक्त टैरिफ थोप सकते हैं। इसी तरह वैसे आयात पर भी टैरिफ बढ़ा सकते हैं, जिनसे अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरा हो, लेकिन इन उपायों को अमल में लाने के लिए उन्हें जांच के जरिये यह सिद्ध करना होगा कि वास्तव में अमुक-अमुक देश अनुचित व्यापार नीति पर चल रहे हैं या फिर अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा बने उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं।

विकास का विराट विजन : समृद्ध गुजरात की ओर निर्णायक कदम

कांतिलाल मांडोत

जनकल्याण, औद्योगिक विस्तार और भविष्य की तैयारी का संतुलित एवं दूरदर्शी बजट गुजरात सरकार द्वारा प्रस्तुत नवीन बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि विकसित और आत्मनिर्भर गुजरात की एक स्पष्ट रूपरेखा है। चार लाख करोड़ रुपये से अधिक के इस विशाल बजट में विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 65 प्रतिशत राशि पूंजीगत एवं विकासात्मक कार्यों पर व्यय करने का निर्णय राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शेष राशि पेंशन, वेतन और ब्याज जैसे आवश्यक दायित्वों पर नियोजित की गई है, जिससे वित्तीय अनुशासन और सामाजिक संतुलन दोनों का समन्वय स्थापित होता है। यह बजट दूरदर्शिता, समावेशिता और संतुलित प्रगति का उत्कृष्ट उदाहरण है।

सरकार ने ज्ञान(द्द4ड्डठ्ठ)के सूत्र के माध्यम से गरीब, युवा, अन्नदाता और नारीशक्ति को केंद्र में रखकर योजनाओं का निर्माण किया है। गरीब परिवारों के लिए तीन लाख से अधिक आवासों का निर्माण, प्रधानमंत्री आवास सहित विभिन्न योजनाओं में सहायता राशि को बढ़ाकर 1.70 लाख रुपये करना सामाजिक सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह निर्णय केवल घर बनाने का नहीं, बल्कि सम्मानजनक जीवन देने का प्रयास है।

राज्य की 36 प्रतिशत युवा आबादी को ध्यान में रखते हुए छात्रवृत्ति के लिए 4,827 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। समरस कुमार और कन्या छात्रालयों के निर्माण से हजारों विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। लगातार दूसरे वर्ष शिक्षा को सर्वाधिक प्राथमिकता देना इस बात का प्रमाण है कि सरकार भविष्य की नींव मजबूत कर रही है। प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में संरचनात्मक सुधार, नई कॉलेजों की स्थापना, खेल सुविधाओं का विस्तार तथा स्वावलंबन योजनाओं के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सार्थक पहल की गई है। किसानों के लिए दिन में बिजली उपलब्ध कराने हेतु अतिरिक्त आवंटन, किसान क्रेडिट कार्ड पर ब्याज राहत और आधुनिक उपकरणों की खरीद के लिए वित्तीय सहायता कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाएगी। सिंचाई और जल प्रबंधन के लिए हजारों करोड़ रुपये की व्यवस्था राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को स्थिरता और मजबूती प्रदान करेगी। यह बजट स्पष्ट करता है कि सरकार किसान और ग्रामीण विकास को विकास की धुरी मानती है।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में 'सखी साहस' योजना, कार्यशील महिला छात्रावासों का निर्माण और आर्थिक सहायता की व्यवस्था महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान करेगी। यह सामाजिक परिवर्तन की दिशा में एक प्रेरक कदम है।

औद्योगिक विकास इस बजट की प्रमुख विशेषता है। गुजरात इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को आधुनिक तकनीक से लैस कर स्मार्ट बनाने का निर्णय उद्योगों के लिए नई संभावनाएं खोलेगा। टेक्सटाइल उद्योग के लिए 2,755 करोड़ रुपये का प्रावधान विशेष रूप से सराहनीय है, जिससे सूरत जैसे टेक्सटाइल हब को नई गति मिलेगी। एमएसएमई के लिए आत्मनिर्भर गुजरात योजना के अंतर्गत व्यापक सहायता से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल की स्थापना से वैश्विक बाजार में राज्य की उपस्थिति और सशक्त होगी।

धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 2026 को पर्यटन वर्ष घोषित करना अत्यंत दूरदर्शी निर्णय है। सोमनाथ मंदिर को ग्लोबल डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की पहल, साथ ही अंबाजी मंदिर, गिरनार पर्वत और लोथल जैसे स्थलों के विकास की योजनाएं सांस्कृतिक विरासत को आर्थिक शक्ति में बदलने का प्रयास हैं। इससे स्थानीय रोजगार, होटल उद्योग और परिवहन क्षेत्र को भी व्यापक लाभ मिलेगा।

शहरी विकास में 17 प्रतिशत की वृद्धि कर नगरपालिकाओं और महानगरों को सुदृढ़ आधार प्रदान किया गया है। पांच नए सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करने की घोषणा संतुलित शहरीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। स्मार्ट पार्किंग, दैनिक जलापूर्ति और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार शहरों को आधुनिक स्वरूप देगा। सूरत मेट्रो लाइन-2 के विस्तार के लिए आवंटित राशि से शहर को हाई-स्पीड रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। इससे मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी मजबूत होगी और यात्रियों को समय व लागत की बचत होगी।

दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए जरूरी समझ और सद्भावना पर जोर देने के हर साल 23 फरवरी को विश्व शांति और समझ दिवस (World Peace and Understanding Day) मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनिया में प्रेम-भाईचारा और शांति को बनाए रखना है। अविश्वास समाज को गलतफहमी, विद्रोह, लड़ाई और संघर्ष की ओर ले जाता है। समाज में एकजुटता की भावना को बनाए रखने के लिए शांति और समझ होना बेहद आवश्यक है। इसलिए हिंसा से रहित दुनिया में शांति लाने के उद्देश्य के लिए हर साल इस दिवस को मनाया जाता है। इस दिवस पर दुनिया भर के देशों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। : वर्ल्ड अंडरस्टैंडिंग एंड पीस डे हर साल 23 फरवरी को मनाया जाता है। यह रोटरी मेंबर्स द्वारा की गई पहली मीटिंग की एनिवर्सरी मनाने के लिए मनाया जाता है। हर साल 23 फरवरी को वर्ल्ड अंडरस्टैंडिंग एंड पीस डे मनाया जाता है।

आज शांति और समझ दिवस की आवश्यकता

संजय गोस्वामी

(विश्व शांति और समझ दिवस 23 फरवरी 26 पर विशेष)

असल में, यह दिन रोटरी इंटरनेशनल के पहले कन्वेंशन को याद करने के लिए है। बिज़नेसमैन की यह मीटिंग ऐसी जगह पर होनी थी जहाँ उनके बैकग्राउंड से कोई फ़र्क न पड़े, जिससे कई डेवलपमेंट हुए और आखिरकार रोटरी इंटरनेशनल बना। रोटरी इंटरनेशनल की शुरुआत शिकागो, इलिनोइस में हुई थी, और यह एक ऐसा संगठन है जो इंसानियत की सेवा, दुनिया में शांति और अच्छी भावना के लिए काम करता है। पॉल हैरिस, गुस्तावस लोहर, सिल्वेस्टर शिएल और हीराम शोरी 23 फरवरी, 1905 को शिकागो शहर में यूनिटी बिल्डिंग के कमरा 711 में इकट्ठा हुए। यह रोटरी क्लब की पहली मीटिंग थी। उन्होंने मीटिंग की जगह बदलने के चलन के बाद नए क्लब का नाम 'रोटरी' रखने का फैसला किया। वर्ल्ड अंडरस्टैंडिंग एंड पीस डे का इतिहास रोटरी इंटरनेशनल की स्थापना के लिए हुई पहली मीटिंग को वर्ल्ड अंडरस्टैंडिंग एंड पीस डे के तौर पर याद किया जाता है। पॉल पी. हैरिस, एक वकील, ने शिकागो में अपने बिज़नेस एसोसिएट्स की एक मीटिंग ऑर्गनाइज़ की थी। उन्होंने पॉलिटिकल और धार्मिक पाबंदियों से आज़ाद बिज़नेसमैन का एक ग्रुप इकट्ठा करने की कोशिश की। अपनी जगह की ज़रूरत होने से पहले, रोटरी शुरू में अपने मेंबर्स के ऑफिस में मिलती थी। बाद में चार और अमेरिकी शहरों में रोटरी क्लब शुरू किए गए, और जैसे-जैसे ऑर्गनाइज़ेशन का इंटरनेशनल लेवल पर विस्तार हुआ, इसका नाम रोटरी क्लब से बदलकर इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ़ रोटरी क्लब्स और फिर रोटरी इंटरनेशनल कर दिया गया। दुनिया भर की आठ यूनिवर्सिटीज़ में, रोटरी इंटरनेशनल ने शांति और संघर्ष में इंटरनेशनल स्टडीज़ के लिए रोटरी सेंटर्स बनाए हैं। रिज़ॉल्यूशन। कंपनी रोटरी पीस एंड कॉन्फ्लिक्ट रिज़ॉल्यूशन प्रोग्राम नाम का एक ग्रेजुएट स्टडीज़ प्रोग्राम भी देती है, जिसके लिए हर साल 75 स्कॉलर्स चुने जाते हैं। हम वर्ल्ड अंडरस्टैंडिंग एंड पीस डे में उस बदलाव में योगदान देना चाहते हैं जो ग्लोबल लेवल पर तालमेल और समझ को बढ़ावा दे। उम्मीद है, इसका नतीजा युद्धों का खत्म होना होगा। दुनिया भर में, रोटरी इंटरनेशनल शांति को बढ़ावा देने के लिए काम करता है। यह एक ज़रूरी जगह है जहाँ लोग ज्ञान पा सकते हैं और शांति को आगे बढ़ा सकते हैं। यह जानना कि हममें से हर कोई दुनिया की शांति में कैसे योगदान दे सकता है, रोटरी के वर्ल्ड अंडरस्टैंडिंग एंड पीस डे से मिला एक शानदार मौका है।विश्व शांति और समझ दिवस के उद्देश्य हिंसा या क्रूरता से रहित दुनिया के निर्माण व विश्व में शांति लाने के उद्देश्य के लिए इस दिवस को मनाया जाता है।

दुनिया में शांति और समझ पैदा करना पूरी मानव जाति का कर्तव्य है। समाज में समझ से ही शांति स्थापित की जा सकती है। इसके लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्तकता है। इसके विपरित यदि, पूरी दुनिया के लोग एक दूसरे को घृणा और नफरत की दृष्टि से देखेंगे तो उसका परिणाम युद्ध और विनाश के रूप में सामने आएगा। संघर्ष, अविश्वास, गलतफहमी और विद्रोह समजा को बांटता है और उसे एक अन्नत संघर्ष की खाई में धकेल देता है। इसलिए समाज में विश्वास और शांति स्थापित करने के लिए सभी मनुष्यों को एक दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोगी के रूप में कार्य करना होगा। विश्व शांति और समझ दिवस का इतिहास विश्व में शांति और समझ की भावना विकसित करने को लेकर 23 फरवरी 1905 को पहली रोटरी बैठक हुई थी। इसके लिए शिकागो शहर की यूनिटी बिल्डिंग के रूम नंबर 711 में पॉल हैरिस, गुस्तावस लोएहर, सिल्वेस्टर शिएले और हीराम शोरे लोहर जैसी हस्तियां एकत्रित हुई थी। अटॉर्नी पॉल हैरिस एक पेशेवर संघ बनाना चाहते थे इसलिए उन्होंने यह सभा बुलाई थी। इन हस्तियों के मिलने के स्थान 'रोटेट' होते रहते थे इसलिए हैरिस, गुस्तावस लोहर, सिल्वेस्टर शिएले और हीराम शौरी ने अपने इस क्लब का नाम रोटरी क्लब रखा था। बाद में इस क्लब में मानवीय मूल्यों के लिए अपनी इच्छा साझा करने वाले लोगों का समूह जुड़ता गया। हालांकि रोटरी क्लब ने औपचारिक रूप से साल 1922 में 'रोटरी इंटरनेशनल' नाम को अपनाया था। विश्व शांति और समझ दिवस दुनिया के सबसे बड़े धर्मार्थ संगठनों में से एक के निर्माण की वर्षगांठ की याद दिलाता है। इस संगठन की स्थापना की याद में हर साल 'विश्व शांति और समझ दिवस' मनाया जाता है। इस साल विश्व शांति और समझ दिवस की 117वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। इन वर्षों के दौरान पूरी दुनिया ने विश्व शांति और सद्भावना को लेकर लंबा रास्ता तया किया है। वहीं दुनिया भर के लोगों में सद्भावना, शांति और समझ विकसित करने के लिए अभी और लंबा रास्ता तय करना है। विश्व शांति और समझ दिवस का महत्व दुनिया भर के लोगों के बीच शांति और सामान्य समझ को बढ़ावा देने के लिए यह दिवस बेहद महत्वपूर्ण है। इस दिवस पर दुनिया में शांति और समझ विकसित करने के लिए प्रयासों को बढ़ावा दिया जाता है। दुनिया भर में लोगों और राष्ट्रों के बीच शांति और संघर्षों के बीच प्रचलित गलतफहमी को देखते हुए इस दिवस का महत्व और बढ़ जाता है।

आज परमाणु युद्ध का माहौल बन रहा है इसलिए जरुरी है विश्व शांति और समझ की विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास ने नई करवट ली है। विकास के नित नये आयामों से सभी देश अपनी समृद्धि को तीव्र वेग से आगे बढ़ाने में जुट गये हैं। जिसके कई सुखद परिणाम भी सामने आये हैं। विज्ञान ने चिकित्सा स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, यातायात, दूरसंचार, युद्ध उपकरणों इत्यादि सभी क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है और इस ओर अभी भी वैज्ञानिकों का प्रयास जारी है। इस कारण आधुनिक भौतिक साधनों ने इन्सानों का जीवन ही बदल दिया है। सभी देश विज्ञान के आधार पर अपने देश को प्रगतिशील,समृद्धशाली, शक्तिशाली बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ अर्थात् प्रतिस्पर्धा को लेकर सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए अस्त्रा-शस्त्रों का उत्पादन करने में जुट गये हैं।रूस और यूक्रेन के युद्ध में निर्दोष नागरिकों की बहुत अधिक संख्या में जान जा रही है और लोगों का जीवन अस्त व्यस्थ हो गया है इस जंग में यूक्रेन व रूसी सैनिकों की भी मौत हो रही है एक देश दुसरे देश के शक्ति प्रदर्शन के चक्कर में अपने देश का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है व विश्व शांति पर खतरा मंडराने लगा है 6 महीने से चल रहे इस युद्ध में केवल तबाही मची है व बेगुनाह लोगों की मौत हो रही है अब ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध में कहीं परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल न हो जाए लेकिन ऐसा किस उद्देश्य के लिए हो रहा होगा उधर चीन और ताईवान में भी युद्ध के बादल मंडरा रहें हैं जैसा चीन और अमेरिका के वक्तवय व ताईवान की सीमा पर चीन द्वारा लगातार युद्धाभ्यास से नजर आ रहा है दोनों देश के पास परमाणु अस्त्रओं का भंडार है अतः आज विश्व में परमाणु हमले का खतरा मंडरा रहा है जिसके शिकार निर्दोष जनता को भुगतना पड़ सकता है इसके अलावा जो आस पास के देश होंगे वहां भी एटम बम के विस्फोट से रेडिशन फ़ैल जाएगा और इसका खामियाजा उन देशों को रेडीएशन की मार से कैंसर, शारीरिक विकृति के शिकार हो सकते हैं इससे सिर्फ आस पास के देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व वैश्विक तापन की मार झेल सकता है क्योंकि परमाणु अस्त्र के विस्फोट से ओजोन परत इस कदर से नाश होगा कि पूरा विश्व ही ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से प्रभावित होगा.इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में हथियार खरीदने की होड़ लगी है इसे रोकना चाहिएएइस कारण नित्य नये-नये घातक अस्त्रा-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है जो कभी भी विनाश के कारण बन सकते हैं। अस्त्रा-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्रा-शस्त्रा के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये निःशस्त्रीकरण का राग अलापते थकनहीं रहे हैं।विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है। जिसके दुष्परिणामों ने असंख्य इन्सानों की जान ली है। वहाँ अनगिनत देश की समृद्धि की झलक दिखाने वाले निर्माण कार्यों को विध्वंश कर दिया है। चारों ओर तबाही मचाने में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी है। विकास को विनाश में बदल दिया है। इस आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये सभी अपने देश में शान्ति, खुशहाली, समृद्धि के पक्ष में निःशस्त्रीकरण की फिराक में रहते हैं और इसके लिए सभी देशों का जन समर्थन जुटाने में कटिबद्ध हैं। क्योंकि सभी को विनाश का खतरा सामने दिखाई देता है। आज दुनिया परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ रहा है इसके परिणाम हम सभी जानते हैं 76 साल पहले 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम हमला किया था. इसके तीन दिन बाद जापान के ही नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया. दोनों शहर लगभग पूरी तरह तबाह हो गए. डेढ लाख से अधिक लोगों की पल भर में जान चली गई और जो बच गए वो अपंग हो गए और आज भी जो बच्चे जन्म लेते हैं वे अपंगता के शिकार होते हैं क्योंकि रेडिएशन का खतरा 100वर्षों या इससे भी अधिक रहता हैव जिसकी मार मासूम लोगों को भुगतना पड़ता हैए इसके लिये सभी देशों को निर्दोष इन्सानों की रक्षा हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण का संकल्प लेने पर जोर दिया है ताकि कभी भी किसी देश पर आक्रमण करने की स्थिति ही नहीं बने। विश्व में अस्त्र-शस्त्रों की होड़ ही आक्रमणकारी बनाने का माध्यम बनती है। वहाँ इन्सान भी आवेश, आक्रोश,गुस्से, बदले की भावना, किसी को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से, किसी का तिरस्कार करने, किसी को दंडित करने के लिये आक्रामक रुख अपनाते हुए आक्रमणकारी होता है तो उसके सामने, सामने वाले के विनाश के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता है। आक्रमणकारी की चाह रहती है कि वह जो आक्रमण कर रहा है वह विफल न हो जावे व परमाणु बम के हमला की आशंका बढ़ जाती है ।

इस कारण इन्सान-इन्सान में घृणा, द्वेषभाव, ईर्ष्या, दुश्मनी आदि उत्पन्न होती है जो इन्सानों की सुख-शांति, अमनचैन छीनती है। ऐसी आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये और विश्व में शान्ति स्थापित करने हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण पर अधिक बल देना चाहिए। इसी सुख-शान्ति अमन-चैन के साथ एक-दूसरे के प्रति भाईचारे के भाव बनाने के लिए इन्सान को अन्य किसी इन्सान पर आक्रमणकारी नहीं बल्कि सहयोगी बन कर रहने में ही भलाई है। इससे आक्रमणकारी को भी शांति और संतोष मिलता है। बुरे विचार इसके दिल और दिमाग से हट जाते हैं। ऐसी मानसिक शांति पाने के लिये आक्रमणकारी नहीं बनने की सीख आचार्य तुलसी ने देश की आजादी के बाद मानवता आंदोलन चलाकर विश्व को एक नई दिशा दी। मानवता के आधार पर इन्सान यह सोचे कि मैं आक्रमणकारी नहीं बनूं और न ही सहयोग दूंगा। इस दृढ़ संकल्प द्वारा वह शांति का शंखनाद करने में कदापि पीछे नहीं रहेगा। वर्तमान में इसकी महत्ती आवश्यकता है। इसी प्रकार एक-दूसरे देश पर आक्रमण करता है तब अन्य देश आपस में लड़ने वाले किसी एक देश की आक्रामक नीति में भागीदार बनता है, उसे ममदद देता है, सहयोगी के रूप से दुश्मन समझने वाले देश से युद्ध करता है तब वहाँ सर्वत्रा विनाश ही विनाश होने की संभावना बढ़ती है। ऐसी विषम स्थिति में विश्व शांति को कभी भी खतरा उत्पन्न हो सकता है। विनाश की इस स्थिति से अपने को दूर रखने के लिए आक्रामक देश को समर्थन सहयोग नहीं देने का संकल्प अणुव्रतों को आधार मानकर किया जाय तो विश्व शांति की स्थिति बन सकती है और इन्सानों को अकाल मृत्यु, बेमौत मरने से बचाया जा सकता है।

रेवड़ी संस्कृति बनाम कल्याणकारी राज्य

सुप्रीम कोर्ट की फिर सख़्त टिप्पणी– मुफ़्तखोरी, खैरात की संस्कृति : –लोकतंत्र,अर्थव्यवस्था और संवैधानिक दायित्व के बीच संतुलन की अनिवार्यता रेवड़ी संस्कृति पर नियंत्रण केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, नागरिक जागरूकता और आर्थिक विवेक का सम्मिलित परिणाम होगा क्या संसाधनों का उपयोग उत्पादक परिसंपत्तियों में हो रहा है या उपभोग में ?क्या करदाताओं के धन का उपयोग पारदर्शी और न्यायसंगत है? क्या भविष्य की पीढ़ियों पर ऋण का बोझ अनावश्यक रूप से डाला जा रहा है?

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहाँ 142.6 करोड़ से अधिक नागरिकों की आकांक्षाएँ, आवश्यकताएँ और अधिकार एक जटिल राजनीतिक-आर्थिक ढांचे के माध्यम से संचालित होते हैं। लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है,परंतु जब यह प्रतिस्पर्धा विकासात्मक दृष्टि के स्थान पर अल्पकालिक लोक लुभावन वादों में बदल जाती है,तब उसके दूरगामी परिणाम राष्ट्र के आर्थिक स्वास्थ्य और सामाजिक संरचना दोनों पर पड़ते हैं। हाल के वर्षों में चुनावी मौसम में मुफ्त सुविधाओं, बिजली,पानी,नकद हस्तांतरण, लैपटॉप साइकिल इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं,उपभोक्ता वस्तुएँ, परिवहन,उपकरण विद्यार्थी अनेक मुफ्त बांटने कीघोषणाओं ने रेवड़ी संस्कृति को एक प्रमुख राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया है। यह बहस केवल राजनीतिक विमर्श नहीं है,बल्कि संविधान,वित्तीय अनुशासन, करदाताओं के अधिकार और भावी पीढ़ियों की आर्थिकसुरक्षा से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है।अभी फिर से एक बार गुरुवार दिनांक 19 फरवरी 2026 को भारत क़ी सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ,सीजेआई सूर्यकांत,जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली ने तमिलनाडु विद्युत वितरण निगम के मामले की सुनवाई के दौरान मुफ्त बिजली की संस्कृति पर कठोर टिप्पणी की।अदालत ने स्पष्ट कहा कि उपभोक्ता क़ि वित्तीय स्थिति का परीक्षण किए बिना सार्वभौमिक रूप से मुफ्त बिजली देना राज्य के आर्थिक विकास को बाधित कर सकता है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि न्यायालय की यह टिप्पणी केवल एक राज्य तक सीमित नहीं थी;यह समग्र नीति-दृष्टि पर प्रश्नचिह्न था।अदालत ने इंगित किया कि जब राज्य पहले से ऋणग्रस्त हों और विकास परियोजनाओं के लिए संसाधन सीमित हों,तब खैरात आधारित राजनीति वित्तीय अनुशासन को कमजोर करती है और दीर्घकालीन बुनियादी निवेशों, जैसे आधारभूत संरचना,स्वास्थ्य शिक्षा को प्रभावित करती है। 21 जनवरी 2026 को भी शीर्ष न्यायालय ने इस विषय को अत्यंत महत्वपूर्ण करार देते हुए लंबित याचिकाओं की शीघ्र सुनवाई की आवश्यकता पर बल दिया था। याचिकाकर्ता ने देश पर बढ़ते सार्वजनिक ऋण लगभग 250 लाख करोड़ रूपए की ओर ध्यान आकृष्ट किया। न्यायालय ने स्वीकार किया कि नीति-निर्णय का क्षेत्र कार्यपालिका का है,परंतु यह भी पूछा कि क्या राज्य के राजस्व का एक सुनिश्चित हिस्सा केवल विकास कार्यों के लिए सुरक्षित नहीं होना चाहिए? यह प्रश्न संघीय ढांचे के भीतर वित्तीय उत्तरदायित्व और जनहित के संतुलन का मूल प्रश्न है।

साथियों बात अगर हम न्यायालय की टिप्पणियों को गहराई से समझने की करें तो उसका एक केंद्रीय बिंदु था कल्याणकारी योजनाओं और चुनावी फ्रीबीज के बीच अंतर। संविधान के नीति निदेशक तत्व राज्य को शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने का दायित्व सौंपते हैं। यदि राज्य निर्धन या वंचित वर्गों को मुफ्त शिक्षा या स्वास्थ्य सुविधा देता है,तो वह संवैधानिक दायित्व का निर्वहन है। किंतु जब बिना लक्षित पहचान के, बिना वित्तीय क्षमता के आकलन के, व्यापक स्तरपर मुफ्त वस्तुओं का वितरण केवल चुनावी लाभ हेतु किया जाए,तब वह नीति-आधारित कल्याण नहीं बल्कि अल्पकालिक राजनीतिक निवेश प्रतीत होता है।अदालत ने रोजगार सृजन को प्राथमिकता देने कीआवश्यकता रेखांकित करते हुए कहा कि उत्पादक क्षमता को बढ़ाने वाली नीतियाँ ही दीर्घकालीन समाधान हैं।

साथियों बात अगर हम आर्थिक दृष्टि इस मुद्दे को समझने की करें तो रेवड़ी संस्कृति का सबसे बड़ा प्रभाव राजकोषीय घाटे और सार्वजनिक ऋण पर पड़ता है। राज्यों का बड़ा हिस्सा पहले ही वेतन,पेंशन और ब्याज भुगतान में खर्च हो जाता है।यदि अतिरिक्त संसाधन मुफ्त योजनाओं में लगाए जाते हैं, तो पूंजीगत व्यय सड़क,जल प्रबंधन,ऊर्जा ढांचा,औद्योगिक क्लस्टर के लिए संसाधन घटते हैं। इससे रोजगार सृजन की गति धीमी होती है और कराधान का आधार भी सीमित रहता है। एक दुष्चक्र बनता हैः कम निवेश कम उत्पादन, कम राजस्व,अधिक उधारी और अधिक लोकलुभावन घोषणाएँ। न्यायालय द्वारा परजीवी मानसिकता की आशंका इसी आर्थिक तर्क से जुड़ी है,यदि नागरिकों को उत्पादक अवसरों के स्थान पर अनुदान आधारित निर्भरता की ओर प्रेरित किया जाए, तो श्रम भागीदारी और नवाचार दोनों प्रभावित हो सकते हैं।

साथियों बात अगर हम लोकतांत्रिक विमर्श का एक अन्य पहलू चुनावी समानता और निष्पक्षता है इसकोसमझने की करें तो,यदि राजनीतिक दल करदाताओं के धन से भविष्य में दी जाने वाली मुफ्त सुविधाओं का वादा कर मतदाताओं को प्रभावित करते हैं,तो क्या यह चुनावी प्रतिस्पर्धा की नैतिक सीमा का उल्लंघन है? चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों में घोषणापत्रों की पारदर्शिता की बात कही गई है, परंतु उनके वित्तीय स्रोत और व्यावहारिकता का स्वतंत्र मूल्यांकन अनिवार्य नहीं है। इस संदर्भ में न्यायालय का यह संकेत महत्वपूर्ण है कि गंभीर मामलों को तीन न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाएगा, ताकि व्यापक संवैधानिक प्रश्नों पर स्पष्टता आए।रेवड़ी संस्कृति का सामाजिक आयाम भी उतना ही महत्वपूर्ण है।भारत में ऐतिहासिक रूप से सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ रही हैं। कल्याणकारी योजनाएँ सामाजिक न्याय का उपकरण रही हैं,मिड-डे मील,सार्वजनिक वितरण प्रणाली, छात्रवृत्ति, मनरेगा जैसे कार्यक्रमों ने गरीबी उन्मूलन में योगदान दिया है। इसलिए किसी भी बहस में यह सावधानी आवश्यक है कि वास्तविक कल्याणकारी योजनाओं को फ्रीबीज कहकर खारिज न किया जाए।न्यायालय ने भी शिक्षा और स्वास्थ्य को संवैधानिक दायित्व के रूप में स्पष्ट किया।इसलिए मूल प्रश्न यह है कि लक्षित, आवश्यकता -आधारित, पारदर्शी और वित्तीय रूप से टिकाऊ योजनाओं और सार्वभौमिक,अस्थायी, चुनावी लाभ वाली योजनाओं के बीच रेखा कैसे खींची जाए।यदि इस प्रवृत्ति को नियंत्रित करने हेतु कठोर कानून बनाने की बात हो, तो उसका उद्देश्य प्रतिबंध मात्र नहीं बल्कि संतुलन स्थापित करना होना चाहिए। संभावित कानून का नाम हो सकता है,राष्ट्रीय राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं चुनावी लोकलुभावन व्यय विनियमन अधिनियम। इस अधिनियम के अंतर्गत प्रत्येक चुनावी घोषणा के लिए अनिवार्य वित्तीय स्रोत-प्रमाणन,स्वतंत्र आर्थिक मूल्यांकन और दीर्घकालिक प्रभाव विश्लेषण की व्यवस्था की जा सकती है। एक स्वतंत्र चुनावी व्यय एवं लोकलुभावन नीति मूल्यांकन आयोग गठित किया जा सकता है, जो घोषणापत्रों की व्यवहार्यता पर सार्वजनिक रिपोर्ट जारी करे। साथ ही, राज्य के बजट का एक न्यूनतम प्रतिशत पूंजीगत व्यय हेतु सुरक्षित रखने का संवैधानिक प्रावधान भी किया जा सकता है।साथ ही यह भी आवश्यक है कि पारदर्शिता को बढ़ाया जाए। यदि कोई राज्य मुफ्त बिजली देना चाहता है,तो उसे यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसका वित्तीय स्रोत क्या है, कितनी अवधि तक योजना चलेगी,और उसका ऋण-जीडीपी अनुपात पर क्या प्रभाव पड़ेगा।संसद और विधान सभाओं में पूर्व- अनुमोदन और सार्वजनिक विमर्श की बाध्यता लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करेगी।

मंत्री के लंबे भाषण पर गुस्सा लोगों ने की हूटिंग

‘पाकिस्तान की जय’ कहने वाले ने माफी मांगी, कमिश्नर ने महापौर को बताया ‘अक्षम’

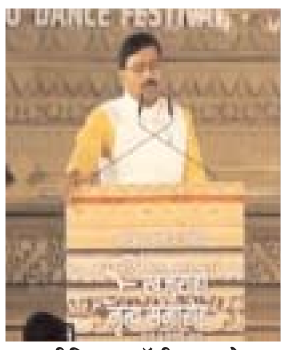

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश की राजनीति, नौकरशाही और अन्य घटनाओं पर चुटीली और खरी बात का वीडियो देखने के लिए ऊपर क्लिक करें। इन खबरों को आप पढ़ भी सकते हैं। ‘बात खरी है’ मंगलवार से रविवार तक हर सुबह 6 बजे से दैनिक भास्कर एप पर मिलेगा मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी के भाषण के दौरान हूटिंग मंच, माइक और सामने बैठी पब्लिक मिल जाए, तो नेता भला कहां रुकते हैं। अपना सारा ज्ञान उड़ेल देना जरूरी हो जाता है सामने बैठे लोग रुचि ले रहे हैं या नहीं, इसकी परवाह किसे है बस अपनी बात पूरी होनी चाहिए। खजुराहो फिल्म फेस्टिवल में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, लेकिन यहां नेता जी का दांव उल्टा पड़ गया। उद्घाटन समारोह के दौरान पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी का भाषण इतना लंबा खिंच गया कि लोगों का धैर्य जवाब दे गया मंच पर मंत्री भाषण दे रहे थे और सामने बैठी पब्लिक हूटिंग करने लगी भाषण खत्म करने की आवाजे उठने लगीं कुछ लोगों ने तो ‘गो बैक’ के नारे भी लगा दिए। इतना होने के बाद भी मंत्री नहीं रुके शोर-शराबे के बीच उन्होंने कहा- मैं बस चार पंक्तियां कहकर अपनी बात खत्म करूँगा। इसके बाद उन्होंने वे चार पंक्तियां भी सुनाईं।

गौरतलब है कि मंत्री से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और सांसद वीडी शर्मा का भाषण भी हो चुका था देश और विदेश से आए पर्यटकों का साफ कहना था कि वे यहां नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देखने आए हैं, नेताओं के भाषण सुनने नहीं। खजुराहो फिल्म फेस्टिवल में मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी के भाषण के दौरान हूटिंग होने लगी। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता युवा मोर्चा और कांग्रेस के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। भोपाल से लेकर इंदौर तक हालात बेकाबू नजर आए और पूरे प्रदेश में बवाल जैसी स्थिति बन गई। जगह-जगह पत्थर चले, धक्का-मुक्की और झूमाझटकी हुई, जिसमें दोनों दलों के कई कार्यकर्ता घायल हो गए।

एलिवेटेड रोड के लिए फूलबाग-गुरुद्वारा मार्ग बंद, डायवर्टेड रास्तों पर घंटों फंसे रहे वाहन

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। ग्वालियर में एलिवेटेड रोड प्रोजेक्ट के तहत फूलबाग चौराहे से गुरुद्वारा तक का मार्ग एक महीने के लिए बंद कर दिया गया है। निर्माण कार्य को गति देने के लिए यह निर्णय लिया गया है। मार्ग बंद होने के पहले ही दिन डायवर्ट किए गए रास्तों पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। शहर के सभी यातायात थानों के प्रभारियों को जाम खुलवाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। यह मार्ग एलिवेटेड रोड प्रोजेक्ट के दूसरे चरण के तहत बंद किया गया है। फूलबाग चौराहे से गुरुद्वारा तक बने पिलर्स पर गाटर रखने का काम शुरू होना है। निर्माण एजेंसी की मांग पर स्थानीय प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस ने चर्चा के बाद यह रूट एक महीने के लिए बंद करने का फैसला किया।

पहले दिन ही डायवर्टेड रूट्स पर लगभग 2 किलोमीटर लंबा जाम लग गया जिससे ट्रैफिक डीएसपी सहित सिटी क्षेत्र के तीन ट्रैफिक थाना प्रभारियों को व्यवस्था संभालने के लिए मौके पर पहुंचना पड़ा। बात करते हुए ऑटो चालक अभिमन्यु ने बताया कि रोड बंद होने से उन्हें काफी परेशानी हो रही है जाम में दो-तीन घंटे फंसे रहने के कारण उनकी दैनिक आय प्रभावित हो रही है और ऑटो की किस्तें निकालना भी मुश्किल हो गया है। ट्रैफिक डीएसपी अजीत सिंह चौहान ने जानकारी दी कि फूलबाग चौराहा से गुरुद्वारा तक दोनों ओर का ट्रैफिक एक महीने के लिए बंद रहेगा शिंदे की छावनी से फूलबाग की ओर जाने वाले वाहनों को नौगजा रोड से डायवर्ट किया गया है। वहीं, स्टेशन की ओर से आने वाले ट्रैफिक को जलविहार के सामने से नदी गेट की ओर मोड़ा गया है उन्होंने बताया कि शुरुआती दिनों में लोगों को डायवर्ट रूट पर जाम से बचाने के लिए उचित डायवर्जन बोर्ड, बैरिकेड्स और पर्याप्त ट्रैफिक पुलिस बल तैनात किया जाएगा। शहर में लगातार बढ़ रहे ट्रैफिक दबाव से एलिवेटेड रोड काफी राहत देने वाला है लेकिन इसके निर्माण के पूरे होने तक शहरवासियों के साथ पर्यटक, व्यापारियों को फिलहाल परेशानी का सामना करना ही पड़ेगा।

सरपंच पुत्र की हत्या :पावर हाउस जमीन विवाद में धारदार हथियारों से हमला

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के मायापुर थाना क्षेत्र के ग्राम मुहासा में रविवार सुबह मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। वर्तमान सरपंच राजेंद्र सिंह यादव के बेटे युधिष्ठिर यादव की धारदार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी गई, जबकि परिवार के अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पंचायत की सरकारी जमीन को लेकर चली आ रही पुरानी रंजिश इस वारदात की बड़ी वजह हो सकती है। मृतक के परिजन शिवपाल यादव ने बताया कि ग्राम पंचायत में बिजली पावर हाउस निर्माण प्रस्तावित था जिसके लिए शासकीय जमीन की आवश्यकता थी। आरोप है कि जिस सरकारी जमीन पर कप्तान यादव का कब्जा था, उसे पावर हाउस निर्माण के लिए उपलब्ध कराने की अनुशंसा सरपंच राजेंद्र सिंह यादव ने लिखित रूप में की थी। बताया जा रहा है कि इसी बात को लेकर कप्तान यादव और उसके बेटों ने सरपंच परिवार से रंजिश पाल ली थी। यह रंजिश रविवार को हुए विवाद में खुलकर सामने आ गई। सरपंच राजेंद्र सिंह यादव (62) के मुताबिक रविवार सुबह की सुबह करीब 8:30 बजे वे अपने बेटे युधिष्ठिर यादव के साथ आदिवासी मोहल्ला पुरवा सिमला में मजदूर लेने गए थे। दोनों ने वीरन आदिवासी के घर के सामने मोटरसाइकिल खड़ी की और मजदूरों से बातचीत करने लगे। इसी दौरान गांव का धर्मेंद्र यादव ट्रैक्टर लेकर वहां पहुंचा और रोड पर मोटरसाइकिल खड़ी करने को लेकर गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने कथित तौर पर ट्रैक्टर बाइक पर चढ़ा दिया, जिससे मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई इसके बाद धर्मेंद्र यादव ने अपने पिता कप्तान यादव, भाई सतेंद्र यादव और मां कमला बाई यादव को मौके पर बुला लिया।

पुलिस का क्विक रिस्पॉन्स...सूचना पर 2 मिनट में पहुंची, युवती के फांसी का फंदा लगाते ही दरवाजा तोड़ा; टीआई ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया हालत नाजुक

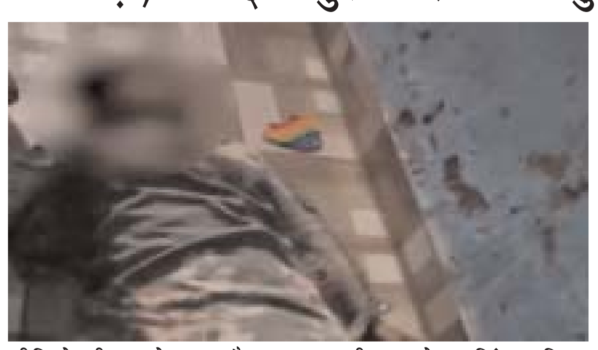

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। पुलिस का क्विक रिस्पॉन्स सामने आया है बहोड़ापुर क्षेत्र के सदाशिव नगर में शनिवार सुबह एक युवती ने पारिवारिक विवाद के बाद खुद को कमरे में बंद कर लिया और फांसी लगाने की तैयारी करने लगी। परिजनों ने तुरंत डायल-112 पर सूचना दी सूचना मिलते ही महज दो मिनट के भीतर एफआरवी (फर्स्ट रिस्पॉन्स व्हीकल) और बहोड़ापुर टीआई आलोक परिहार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। जब पुलिस ने दरवाजा खोला, तब युवती गले में फंदा डाल चुकी थी। पुलिस ने तत्काल दरवाजा तोड़कर उसे नीचे उतारा और अस्पताल भिजवाया पुलिस की तत्परता से युवती की जान तो बच गई, लेकिन उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। फिलहाल वह बेहोश है। घटना शनिवार सुबह करीब 6 बजे की बताई जा रही है। मामले का एक वीडियो भी सामने आया है।

पुलिस पहुंची तो फंदा तैयार कर रही थी युवती: ग्वालियर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र स्थित सदाशिव नगर की रहने वाली 20 वर्षीय युवती बीए की छात्रा है रविवार सुबह किसी बात पर नाराज होकर वह परिजनों को धमकी देते हुए अपने कमरे में चली गई और अंदर से गेट बंद कर लिया अनहोनी की आशंका को देखते हुए परिजनों ने तुरंत डायल-112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही एफआरवी-16 मौके पर पहुंची। इसी दौरान सुबह गश्त पर निकले बहोड़ापुर थाना प्रभारी आलोक सिंह परिहार और आरक्षक योगेन्द्र सिंह सिकरवार भी घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस ने युवती को आवाज देकर गेट खोलने के लिए कहा, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इस पर एक पुलिसकर्मी ने दरवाजे के ऊपर लगे जंगले से झांककर देखा तो युवती कमरे के अंदर फांसी का फंदा तैयार करती नजर आई। इसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। युवती को फांसी का फंदा बनाते देख थाना प्रभारी आलोक परिहार ने परिजनों और पुलिस जवानों की मदद से तुरंत दरवाजा तोड़ा। पुलिस ने युवती के पैर पकड़कर उसे संभाला, वहीं अन्य जवानों ने फंदा काटकर उसे नीचे उतारा। हालांकि तब तक युवती बेहोश हो चुकी थी। उसे तत्काल इलाज के लिए जयारोग्य अस्पताल पहुंचाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर उसे आगे उपचार के लिए 1000 बिस्तर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

फिलहाल युवती की स्थिति गंभीर बनी हुई है: युवती फिलहाल बेहोश है और बयान देने की स्थिति में नहीं है। पुलिस का कहना है कि उसके होश में आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि उसने किन कारणों से आत्मघाती कदम उठाने का प्रयास किया था देर होती तो जा सकती थी जान डॉक्टरों के अनुसार समय रहते युवती को फंदे से उतार लिया गया, इसी वजह से उसकी जान बच सकी। डॉक्टरों का कहना है कि यदि उसे झटका लग जाता तो गर्दन की हड्डी टूट सकती थी।

आरक्षक से अभद्रता पर आरोपियों का जुलूस: कान पकड़कर थाने से कोर्ट तक पैदल घुमाया

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी शहर में पुलिस आरक्षक से अभद्रता करने वाले दो आरोपियों का पुलिस ने जुलूस निकाला देहात थाना पुलिस दोनों आरोपियों को कान पकड़कर माफी मंगवाते हुए थाना परिसर से न्यायालय तक पैदल ले गई यह घटना झांसी तिराहा स्थित शराब की दुकान के पास हुई थी। जुलूस के दौरान, दोनों आरोपी कान पकड़कर ‘अपराध करना पाप है, पुलिस हमारी बाप है’ कहते हुए चल रहे थे उन्हें थाना परिसर से झांसी तिराहा और गुरुद्वारा मार्ग होते हुए कोर्ट तक ले जाया गया रास्ते भर यह नजारा देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा रही। यह मामला शनिवार को झांसी तिराहा स्थित शराब की दुकान के पास हुआ था। झगड़े के दौरान बीचबचाव करने पहुंचे आरक्षक राहुल चौहान से आरोपियों ने गालीगलौज और धक्कामुक्की की थी। एक आरोपी ने कड़े से वार करने की कोशिश करते हुए कहा था कि ‘हाथ नहीं, हथौड़ा है...’ और आरक्षक की वर्दी पकड़कर बटन तोड़ दिया था इस मामले में आरोपियों की पहचान लवप्रीत सरदार और छोटू परिहार के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा, मारपीट और अन्य संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है देहात थाना प्रभारी ने बताया कि विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर दिया गया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

‘फौजी’ की सच्चाई जानकर युवती ने लगा ली फांसी, अपनी मौत के लिए पति और ससुराल वालों को ठहराया जिम्मेदार

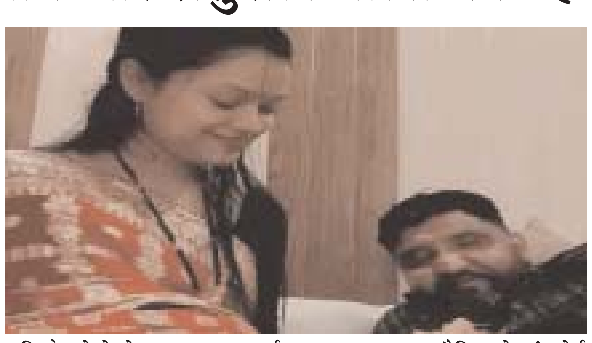

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। ग्वालियर में एक युवती ने अपने प्यार के लिए पूरे परिवार से लड़कर लव मैरिज की। वह खुश थी कि उसका पति फौज में है लेकिन शादी के बाद जैसे-जैसे सच्चाई सामने आती गई, उसके पैरों तले जमीन खिसकती चली गई शादी के बाद पता चला कि पति रिटायर हो चुका है। वह पहले से शादीशुदा है। उसके दो बच्चे हैं। जब इसका विरोध किया तो उससे मारपीट की गई। उसके परिजन और उसकी पहली पत्नी ने भी पीटा और धमकाया युवती पति के धोखे से इस कदर टूट गई कि उसने 12 फरवरी को आत्महत्या कर ली। मौत से पहले उसने एक वीडियो अपलोड किया, जो अब वायरल हो रहा है। युवती ने अपनी मौत के लिए पति और ससुराल वालों को जिम्मेदार ठहराया है उसने कहा- ‘मेरी मौत के लिए मेरा पति और उसके परिजन जिम्मेदार हैं। युवती के परिजनों का आरोप है कि उसकी हत्या की गई है। यह सब दहेज के लिए किया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। पुरानी छावनी निवासी राजू उर्फ सत्यनारायण भदौरिया से ट्रांसपोर्ट नगर जीडीए कॉलोनी निवासी 26 वर्षीय वैष्णवी उर्फ प्राची सिंह की मुलाकात कम रोचक नहीं थी करीब एक साल पहले बहोड़ापुर में एक मोड़ पर दोनों की स्कूटी आमने-सामने आ गई यहां दोनों ने पहली बार एक-दूसरे को देखा और बातचीत होने लगी इस दौरान राजू ने खुद को सेना में पदस्थ जवान बताया। बहुत ही कम समय में दोनों ने एक-दूसरे के साथ जिंदगी बिताने की ठान ली। राजू की उम्र 37 साल थी, लेकिन उसने यह बात छिपा ली। सेना से रिटायर्ड, शादीशुदा और 2 बच्चों का पिता होने की बात भी नहीं बताई।

6 महीने पहले नोटरी पर कर ली लव मैरिज: जब प्राची ने परिवार वालों को राजू के बारे में बताया तो वे शादी के लिए राजी नहीं हुए। प्राची ने सभी से लड़-झगड़कर 6 महीने पहले मंदिर में शादी कर ली। फिर नोटरी पर भी शादी की, लेकिन पति उसे सीधे घर लेकर नहीं गया। उसने कहा कि मेरे घर में सभी नाराज हैं। इसके बाद वह प्राची को लेकर सिरोल स्थित ईस्ट मेरेडियन टाउनशिप में किराए के फ्लैट रहने लगा।

हर मोड़ पर मिला धोखा, डिप्रेशन में जाने लगी: कुछ समय बाद प्राची को पता चला कि उसका पति फौजी नहीं है। वह रिटायर्ड है उसने सोचा, चलो कोई बात नहीं। कुछ दिन बीते थे कि फिर सामने आया कि पति पहले से शादीशुदा है।

प्रीलिम्स एग्जाम...पद्मश्री श्यामलाल चतुर्वेदी के काव्य पर पूछे सवाल

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) की प्रारंभिक परीक्षा के जनरल स्टडी के प्रश्नपत्र में छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति, साहित्य और इतिहास से संबंधित कई प्रश्न पूछे गए इनमें पद्मश्री श्यामलाल चतुर्वेदी के काव्य संग्रह ‘पर्रा भर लाई’, पं. लोचन प्रसाद पांडेय के लेखों, उरांव जनजाति के सरहुल त्यौहार, खारून नदी और मल्हार के बीस दुअरिया मंदिर जैसे विषय शामिल थे। यह परीक्षा 238 पदों के लिए बिलासपुर और आसपास के 66 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई। परीक्षार्थियों के अनुसार, सीजीपीएससी परीक्षा का पहला प्रश्नपत्र अपेक्षाकृत सरल था। हालांकि, 200 अंकों के इस प्रश्नपत्र में औद्योगिक क्षेत्र से सर्वाधिक प्रश्न पूछे गए थे आयोग के सख्त निर्देशों से अभ्यर्थी परेशान आयोग द्वारा जारी सख्त दिशा-निर्देशों के कारण परीक्षार्थियों को कुछ असुविधा हुई। इन नियमों में ड्रेस कोड, प्रवेश से पहले मेटल डिटेक्टर से जांच, मैनुअल फ्रिस्किंग और प्रवेश पत्र दिखाते हुए वीडियो कैप्चर कराना शामिल था जनरल स्टडी के प्रश्नपत्र में अंचल की कला, संस्कृति, पुरातत्व, इतिहास और बजट योजनाओं से जुड़े सवालों के साथ-साथ ‘रायपुर षड्यंत्र केस’ की योजना से संबंधित प्रश्न भी शामिल थे। छत्तीसगढ़ी में चंद्रमा की स्थिति पर प्रचलित हाना ‘छरका गरू छरत जाए, करिया गरु सूतत जाए’ भी पूछा गया, जिसने परीक्षार्थियों का ध्यान खींचा अन्य रोचक प्रश्नों में कन्हार के कोठली जलप्रपात, मल्हार के बीस दुअरिया मंदिर, बेगार प्रथा के खिलाफ छत्तीसगढ़ में हुआ पहला आंदोलन, उरांव जाति का सरहुल त्यौहार, घोटुल के सामूहिक मनोरंजन गीत कक्सार और मराठा शासनकाल में हलों की संख्या के आधार पर प्रचलित कर प्रणाली आदि पर आधारित सवाल थे।

नवआरक्षक पीपीटी परीक्षा 23 फरवरी से, मैदान पर 5500 उम्मीदवार होंगे शामिल

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। नवआरक्षकों की शारीरिक प्रवीणता परीक्षा (पीपीटी) 23 फरवरी से शुरू होगी। यह परीक्षा 14वीं बटालियन एसएएफ मैदान पर आयोजित की जाएगी। इसमें करीब 5,500 उम्मीदवार शामिल होंगे। परीक्षा प्रक्रिया 14 मार्च तक चलेगी और प्रतिदिन लगभग 400 उम्मीदवारों की परीक्षा ली जाएगी यह भर्ती प्रक्रिया प्रदेश में नवआरक्षकों के करीब 7,500 पदों के लिए आयोजित की जा रही है। लिखित परीक्षा के बाद अब शारीरिक प्रवीणता परीक्षा कराई जा रही है।

300 जवान और अधिकारी तैनात किए गए: परीक्षा के लिए एसएएफ के करीब 300 पुलिस जवान और अधिकारियों को तैनात किया गया है ये जवान उम्मीदवारों की दौड़, गोला फेंक और लंबी कूद की प्रक्रिया कराएंगे परीक्षा की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं परीक्षा के संचालन के लिए एक कमेटी बनाई गई है, जिसके अध्यक्ष डीआईजी अमित सांघी हैं। उनकी निगरानी में पूरी प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार परीक्षा को पारदर्शी तरीके से कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। 14वीं बटालियन एसएएफ मैदान पर टेंट, लाइट, सीसीटीवी कैमरे और अन्य व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। कमांडेंट संजीव सिन्हा ने मौके का निरीक्षण कर तैनात अधिकारियों और जवानों को आवश्यक निर्देश दिए। परीक्षा शुरू होने से पहले रविवार को एसएएफ मैदान पर रिहर्सल कराई जाएगी। इसमें एसएएफ जवानों को उम्मीदवार बनाकर पूरी प्रक्रिया का अभ्यास किया जाएगा। इस दौरान डीआईजी अमित सांघी और अन्य अधिकारी मौजूद रहेंगे। 800 मीटर दौड़ सहित तीन चरणों में होगी परीक्षा।

भोपाल-इटारसी के बीच चलेगी मेमू ट्रेन, रोजाना अप-डाउन करने वाले यात्रियों को मिलेगा फायदा विधानसभा में प्रस्ताव पारित

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश विधानसभा में भोपाल, नर्मदापुरम और इटारसी के बीच मेमू ट्रेन चलाने का संकल्प प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया है इस मेमू ट्रेन के शुरू होने से इन शहरों के बीच रोजाना अप-डाउन करने वाले हजारों यात्रियों और छात्रों को बड़ा फायदा मिलेगा वर्तमान में इस प्रस्ताव को विधानसभा से स्वीकृत कर लिया गया है और अंतिम मंजूरी के लिए इसे केंद्र शासन को भेजा जाएगा। विधानसभा में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉक्टर सीताशरण शर्मा ने भोपाल और इटारसी के बीच मेमू ट्रेन चलाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ट्रेनों में जनरल बोगियों की कमी के कारण रोजाना सफर करने वाले यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है इसलिए इस रूट पर लोकल यात्रियों के लिए अलग ट्रेन शुरू की जानी चाहिए।

विधायक ने कहा- जनरल बोगी कम हो रही है, इसलिए मेमू जरूरी: विधायक डॉक्टर सीताशरण शर्मा ने विधानसभा में अपनी बात रखते हुए कहा, ‘इटारसी-भोपाल के मध्य मेमो ट्रेन प्रारंभ की जाएं। मेमू ट्रेन की जरूरत है। नर्मदापुरम और इटारसी से रोजाना 5 हजार से अधिक लोग और छात्र भोपाल तक यात्रा करते हैं। ट्रेन में लगातार स्लीपर बोगी की संख्या बढ़ रही है और जनरल बोगी की संख्या कम हो रही है।

दिल्ली पुलिस ने ग्वालियर के कांग्रेस नेता को किया गिरफ्तार, समिट के दौरान हुए विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने के शक में गिरफ्तारी

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। दिल्ली पुलिस ने रविवार को ग्वालियर से यूथ कांग्रेस के एक नेता को गिरफ्तार किया है। उसे दिल्ली ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार नेता दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल था। दिल्ली पुलिस का आरोप है कि इस तरह के प्रदर्शन से देश की छवि खराब करने का प्रयास किया गया दरअसल, दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे एआई इम्पैक्ट समिट कार्यक्रम के दौरान यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया था कार्यक्रम के फुटेज के आधार पर पुलिस प्रदर्शन में शामिल कार्यकर्ताओं की पहचान कर कार्रवाई कर रही है पुलिस को शक है कि ग्वालियर के यूनिवर्सिटी थाना क्षेत्र में रहने वाले यूथ कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव जितेंद्र यादव भी इस प्रदर्शन में शामिल थे इसी आधार पर दिल्ली से आई पुलिस टीम ने उन्हें हिरासत में लिया और दिल्ली रवाना हो गई वहीं, स्थानीय पुलिस के अधिकारी फिलहाल कुछ भी कहने से बचते नजर आ रहे हैं।

बच्चा चोरी के शक में 9 लोगों को रोका, नर्मदापुरम में पुलिस ने बताया अफवाह

भीख मांगने की बात आई सामने

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के मालाखेड़ी रोड स्थित गोल्डन सिलिकोन गेट के पास रविवार दोपहर करीब 12 बजे उस समय हड़कंप मच गया, जब स्थानीय लोगों ने बच्चा चोरी के संदेह में 9 महिला-पुरुषों को पकड़ लिया। देखते ही देखते मौके पर बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। स्थिति को बिगड़ता देख लोगों ने कोतवाली थाना पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को अपने साथ थाने ले गई।

पुलिस ने बताया अफवाह: पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पकड़े गए लोगों में 5 महिलाएं और 3 पुरुष शामिल हैं। इनके साथ तीन नाबालिग बच्चियां और एक नाबालिग बच्चा भी था। क्षेत्र में अज्ञात लोगों के घूमने की सूचना पर कुछ लोगों को शक हुआ और उन्होंने उन्हें रोक लिया। पूछताछ के दौरान संबंधित लोगों ने अपने आधार कार्ड दिखाए और बताया कि वे औबेदुल्लागंज के निवासी हैं तथा भीख मांगकर अपना गुजारा करते हैं। उनका कहना था कि वे फिलहाल गुप्ता ग्राउंड में ठहरे हुए हैं और शहर में घूमकर भीख मांग रहे थे। एसआई हेमंत निशोद ने बताया कि सभी से थाने में पूछताछ की गई है और दस्तावेजों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में बच्चा चोरी जैसा कोई मामला सामने नहीं आया है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर विश्वास न करें और संदेह की स्थिति में सीधे पुलिस को सूचना दें।

सागर में तेज धूप ने बढ़ाई तपिश, दिन में गर्मी का एहसास, 24 घंटे में पारा 5.6 डिग्री चढ़ा

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के मौसम में एक बार फिर बदलाव आया है। पिछले दिनों बादल और बारिश के बाद मौसम साफ हो गया है। बादल छंटते ही धूप खिली है। धूप में तल्खी होने से ठंड गायब सी हो गई है। दिन और रात के तापमान में उछाल आया है। रविवार को सुबह से सागर का मौसम साफ रहा। धूप खिली। जैसे-जैसे दिन चढ़ा, सूरज की तल्खी बढ़ती गई। दोपहर के समय धूप में चुभन महसूस हुई। ठंड बेअसर रही। पिछले 24 घंटों में दिन के तापमान में 5.6 डिग्री सेल्सियस का उछाल आया है। वहीं रात का पारा भी चढ़ा है। इस समय सागर का अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री और न्यूनतम पारा 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी 24 घंटों में सागर का मौसम साफ रहा है। दिन और रात के तापमान में उछाल आएगा। हालांकि मध्यप्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) और ट्रफ लाइन की एक्टिविटी के असर से बारिश और बादल का दौर देखने को मिला। नए सिस्टम सक्रिय होने से 23 और 24 फरवरी को मौसम फिर बदलने का अनुमान है। ये सिस्टम प्रदेश के दक्षिण-पूर्वी जिलों में ज्यादा असर दिखाएगा। लेकिन सागर जिले में मौसम साफ रहने की संभावना है।

सीहोर में दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत,दादा-पोते समेत 3 लोग घायल ;

दो की हालत गंभीर होने पर किया रेफर

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के इछावर थाना क्षेत्र स्थित रामनगर गांव के पास दो बाइकों के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में एक 7 वर्षीय बच्चे सहित कुल तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना के बाद पुलिस के 112 वाहन की मदद से सभी घायलों को सिविल अस्पताल इछावर ले जाया गया, जहां से दो लोगों की नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया है, जबकि घायल बच्चे का इलाज इछावर में ही जारी है।

रामनगर गांव के पास हुआ हादसा : जानकारी के अनुसार, हालिया खेड़ी गांव के रहने वाले पहलाद अपने 7 वर्षीय पोते विनायक के साथ बाइक पर सवार होकर इछावर की ओर आ रहे थे। उसी समय दूसरी बाइक पर सवार होकर मुगली गांव निवासी कृपाल सिंह इछावर की तरफ से रामनगर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रामनगर गांव के पास दोनों बाइकों में आमने-सामने से जोरदार टक्कर हो गई।

डायल 112 की मदद से पहुंचे अस्पताल :हादसे की सूचना मिलने पर डायल 112 का वाहन मौके पर पहुंचा और रेस्क्यू कर घायलों को इछावर के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। इस दुर्घटना में कृपाल सिंह और पहलाद दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

रतलाम मंडल में लॉक के कारण 11 ट्रेने होंगी प्रभावित

उज्जैन-चित्तौड़गढ़ 1 मार्च तक आगे नहीं जाएगी, कुछ ट्रेनों को किया रेगुलेट

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के मल्हारगढ़ -मंदसौर यार्ड के बीच डबलिंग कार्य चल रहा है। इस कारण 22 फरवरी से 01 मार्च रतलाम मंडल की कुछ ट्रेनें प्रभावित होगी। प्रभावित ट्रेनों में चित्तोड़गढ़ से चलने वाली चित्तौड़गढ़-रतलाम डेमू, उज्जैन चित्तौड़गढ़, जयपुर बांद्रा स्पेशल, जमुना ब्रिज-रतलाम एक्सप्रेस समेत 11 ट्रेनें शामिल है।

यह ट्रेनें हुई प्रभावित: 22 फरवरी को चित्तौड़गढ़ से चलने वाली गाड़ी संख्या 79304 चित्तौड़गढ़-रतलाम डेमू, 01 घंटे एवं 23 फरवरी को 0.40 घंटे विलंब से प्रस्थान करेगी। 24 फरवरी 2026 को जमुना ब्रिज से चलने वाली गाड़ी संख्या 19818 जमुना ब्रिज-रतलाम एक्सप्रेस, चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

24 फरवरी को रतलाम से चलने वाली गाड़ी संख्या 19327 रतलाम-उदयपुर सिटी एक्सप्रेस, चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होकर संचालित की जाएगी।

24 फरवरी से 01मार्च तक उज्जैन से चलने वाली गाड़ी संख्या 69231 उज्जैन- चित्तौड़गढ़ पैसेंजर, रतलाम रेलवे स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। रतलाम से चित्तौड़गढ़ के बीच निरस्त रहेगी।

24 फरवरी 2026 से 01 मार्च 2026 तक को चित्तौड़गढ़ से चलने वाली गाड़ी संख्या 69232 चित्तौड़गढ़ -उज्जैन पैसेंजर, रतलाम रेलवे स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। चित्तौड़गढ़ से रतलाम के बीच निरस्त रहेगी।

25 फरवरी से 1 मार्च तक गाड़ी संख्या 79304 चित्तौड़गढ़ रतलाम डेमू मार्ग में आधा घंटा रेगुलेट होगी।

24 फरवरी को गाड़ी संख्या 09723 जयपुर बांद्रा स्पेशल मार्ग में आधा घंटा रेगुलेट होगी।

1 मार्च 2026 को जमुना ब्रिज से चलने वाली गाड़ी संख्या 19818 जमुना ब्रिज-रतलाम एक्सप्रेस, चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। चित्तौड़गढ़ से रतलाम के बीच निरस्त रहेगी।

1 मार्च को रतलाम से चलने वाली गाड़ी संख्या 19327 रतलाम-उदयपुर सिटी एक्सप्रेस, चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। रतलाम से चित्तौड़गढ़ तक निरस्त रहेगी।

25 फरवरी को गाड़ी संख्या 20497 रामेश्वरम फिरोजपुर एक्सप्रेस मार्ग में 15 मिनट रेगुलेट होगी।

1 मार्च को गाड़ी संख्या 07718 हिसार तिरुपति स्पेशल मार्ग में 1.15 घंटा रेगुलेट होगी।

सांची रोड पर पोल बदलते समय क्रेन पलटी

पहिया पंचर होने से संतुलन बिगड़ा; एक कर्मचारी घायल, ट्रैफिक जाम

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में रविवार दोपहर सांची रोड एसपी कार्यालय के सामने बिजली का पोल बदलते समय एक क्रेन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे के कारण व्यस्त मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई, जिससे यातायात कुछ समय के लिए पूरी तरह बाधित हो गया। जानकारी के मुताबिक, बिजली कंपनी के कर्मचारी सड़क किनारे लगे टेढ़े विद्युत पोल को बदलने का काम कर रहे थे। इसी दौरान क्रेन मशीन का अगला पहिया अचानक पंचर हो गया, जिससे क्रेन का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर पलट गई।

कर्मचारी के पैर में चोट आई : क्रेन में ड्राइवर सहित दो निजी कर्मचारी सवार थे। इस दुर्घटना में बिट्टू नामक एक निजी कर्मचारी के पैर में चोट आई है। अन्य सभी कर्मचारी सुरक्षित बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस टीम मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी नरेंद्र गोयल ने तत्काल दूसरी जेसीबी मशीन मंगवाकर पलटी हुई क्रेन को सड़क किनारे हटवाया। पुलिस ने यातायात को वैकल्पिक मार्गों पर डायवर्ट कर स्थिति को नियंत्रित किया। इस दौरान कुछ समय तक मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। गनीमत रही कि इस व्यस्त मार्ग पर कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई।

वाहन चोरों पर प्रहार ! 53 दोपहिया बरामद, अंतरजिला गैंग बेनकाब

तकनीक, मुखबिर और त्वरित एक्शन से पुलिस का शिकंजा कसा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने वाहन चोरी के खिलाफ प्रदेशव्यापी अभियान चलाकर बड़ा प्रहार किया है। समन्वित कार्रवाई, तकनीकी विश्लेषण सीसीटीवी फुटेज और सक्रिय मुखबिर तंत्र के आधार पर विभिन्न जिलों में छापेमारी कर कुल 53 दोपहिया वाहन बरामद किए गए। इस व्यापक ऑपरेशन ने अंतरजिला वाहन चोर गिरोहों की कमर तोड़ दी है।

खरगोन– 19 बाइक जब्त, गिरोह का पर्दाफाश: खरगोन पुलिस ने अंतरजिला मोटरसाइकिल चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 3 आरोपियों और 1 विधि विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लिया। कुल 13 मोटरसाइकिलें (करीब 6.5 लाख रुपए) जब्त की गईं। एक अन्य कार्रवाई में 6 बाइक और बरामद हुईं।

पन्ना– 12 बाइक, खरीदार समेत आरोपी गिरफ्तार: पन्ना के शाहनगर थाना क्षेत्र में सक्रिय गिरोह का खुलासा कर 11 मोटरसाइकिलें (करीब 6 लाख रुपए) बरामद की गईं। अमानगंज में 24 घंटे के भीतर 1 और बाइक जब्त कर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई का संदेश दिया।

छतरपुर व ग्वालियर– शातिर चोर गिरफ्तार: छतरपुर कोतवाली पुलिस ने 2 आरोपियों से 6 बाइक बरामद कीं। वहीं ग्वालियर के डबरा सिटी थाना क्षेत्र में 5 मोटरसाइकिलें जब्त कर वाहन चोर को सलाखों के पीछे भेजा गया।

इंदौर– 24 घंटे में एक्शन: इंदौर के हीरानगर और एरोड्रम थाना क्षेत्र में 6 वाहन जब्त किए गए। एक जुपिटर स्कूटर भी बरामद हुआ।

श्योपुर, कटनी, दतिया, विदिशा में भी सफलता: श्योपुर, कटनी, दतिया और विदिशा में त्वरित कार्रवाई कर चोरी के वाहन बरामद किए गए और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

रणनीतिक नजरिया, सख्त संदेश: प्रदेशभर में चलाए गए इस अभियान से स्पष्ट है कि मध्यप्रदेश पुलिस वाहन चोरी के विरुद्ध गंभीर और रणनीतिक दृष्टिकोण के साथ काम कर रही है। आमजन से अपील की गई है कि वाहन पार्किंग में सुरक्षा उपाय अपनाएं और संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

5 माह से फरार लूट का इनामी आरोपी गिरफ्तार

राहगीर पर चाकू से हमला कर की थी लूटपाट

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर की मोतीनगर थाना पुलिस ने लूट की वारदात कर 5 माह से फरार चल रहे इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से लूटे गए नकद रुपए और सोने का लॉकेट जब्त किया गया है। थाने लाकर आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, 20 सितंबर को फरियादी खसपाल यादव उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम बंडेलखेरा (छतरपुर) ने थाने में शिकायत की थी। शिकायत में बताया कि 16 सितंबर को वह अपने मौसेरे भाई विक्रम यादव के साथ सागर आया था। 17 सितंबर की रात करीब 12.45 बजे जब वह जिला अस्पताल सागर के पास राजीवनगर क्षेत्र में था। तभी काले रंग की बाइक और एक स्कूटी पर सवार चार अज्ञात युवक आए। उन्हें रोका।

आरोपियों ने 500 रुपए की मांग की। पैसे देने से मना किया तो एक आरोपी ने चाकू से हमला कर फरियादी को घायल कर दिया। जेब में रखे 5 हजार रुपए नकद और गले में पहना सोने का लॉकेट छीन लिया। फरियादी के मौसेरे भाई विक्रम यादव ने बीचबचाव किया तो उसके साथ भी मारपीट की। वारदात कर आरोपी फरार हो गए। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया।

आरोपी पर 2 हजार का इनाम था घोषित पुलिस टीम ने वारदातस्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी गोरख कोरी, राज कोरी और ओम कोरी को गिरफ्तार किया गया। लेकिन वारदात में शामिल चौथा आरोपी राम सोनी फरार हो गया। जिसकी तलाश की जा रही थी। इसी दौरान एसपी ने आरोपी की गिरफ्तारी पर 2 हजार का इनाम घोषित किया।

तलाश के दौरान शनिवार को पुलिस को मुखबिर से आरोपी की लोकेशन मिली। लोकेशन मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी की और आरोपी राम पिता राजू सोनी उम्र 21 वर्ष निवासी सूबेदार वार्ड को गिरफ्तार कर लिया। थाने लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार किया। मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि लूट के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी की निशानदेही पर लूटा गया सोने का लॉकेट बरामद किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया है।

कैलारस में खड़े ऑटो में बस ने मारी टक्कर

6 यात्री घायल; सड़क से नीचे गिरा ऑटो, पुलिस ने बस को किया जब्त

मीडिया ऑडीटर, मुरैना (निप्र)। मुरैना जिले के कैलारस थाना क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाईवे 552 पर रविवार दोपहर करीब 12 बजे एक सड़क हादसा हो गया। कुटरावली फाटक के पास रतनपुरा पुलिया पर सवारियों से भरे एक खड़े ऑटो में पीछे से आ रही यात्री बस ने टक्कर मार दी। इस हादसे में ऑटो सड़क से नीचे जा गिरा और उसमें सवार 6 यात्री घायल हो गए। वर्तमान में सभी घायलों को इलाज के लिए कैलारस उपस्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां सभी सुरक्षित हैं, वहीं पुलिस ने टक्कर मारने वाली बस को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर करीब 12 बजे कुटरावली फाटक रतनपुरा के पास बनी पुलिया पर एक ऑटो सवारियों को लेकर खड़ा हुआ था। इसी दौरान मुरैना की तरफ से सबलगढ़ की ओर जा रही चंबल ट्रेवल्स की एक बस वहां पहुंची और उसने खड़े ऑटो में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने के कारण ऑटो अनियंत्रित हो गया और सड़क से उतरकर नीचे जा गिरा।

हादसे में 6 सवारियां घायल, अस्पताल में चल रहा इलाज: सड़क से नीचे ऑटो गिरने के कारण उसमें सवार सवारियों को चोटें आई हैं। बताया जा रहा है कि इस हादसे में ऑटो में सवार 6 लोग घायल हुए हैं। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई और सभी लोग सुरक्षित हैं। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए कैलारस अस्पताल (उपस्वास्थ्य केंद्र) में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है।

एसडीओपी ने कहा- बस को जब्त कर लिया है: घटना की सूचना मिलते ही कैलारस थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने मौके से बस को अपने कब्जे में ले लिया है। इस मामले में कैलारस एसडीओपी उमेश मिश्रा ने कहा, ÷यात्री बस ने खड़े ऑटो को टक्कर मारी थी जिससे ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे चला गया इस हादसे में ऑटो में सवार 6 लोग घायल हो गए जिन्हें कैलारस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस को जब्त कर लिया है।

‘मन की बात’ जन-भावनाओं का सम्मान करने की देती सीख : राज्यपाल

‘मन की बात’ जन-भागीदारी की जीवंत गाथा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मंगुभाई पटेल ने कहा है कि ‘मन की बात’ कार्यक्रम केवल एक रेडियो प्रसारण नहीं, बल्कि देशभर में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों और जन-भागीदारी की जीवंत गाथा है। उन्होंने कहा कि पुलिस का जनता से सीधा जुड़ाव होता है और यह कार्यक्रम समाज की नब्ज समझने तथा जन-भावनाओं का सम्मान करने की सीख देता है। राज्यपाल पटेल रविवार को मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी में प्रशिक्षणाधीन पुलिस अधिकारियों एवं नव आरक्षकों के साथ मन की बात कार्यक्रम सुनने से पूर्व संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मंच से विपरीत परिस्थितियों में समाज के लिए अनूठा कार्य करने वाले गुमनाम नायकों की चर्चा करते हैं। इन प्रेरक प्रसंगों से पुलिस बल के सदस्य अपने व्यक्तित्व को अधिक संवेदनशील और कर्तव्यनिष्ठ बना सकते हैं।

राज्यपाल ने प्रशिक्षुओं से कहा कि प्रशिक्षण काल उनके भविष्य की नींव है। यहां सीखे गए सिद्धांत और ‘मन की बात’ के विचार उनके करियर में मार्गदर्शक बनेंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस के व्यवहार में शालीनता, तत्परता और सहानुभूति अनिवार्य है, ताकि पीड़ित व्यक्ति स्वयं को सुरक्षित महसूस कर सके। वर्दी सत्ता का प्रतीक नहीं, बल्कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की सेवा का संकल्प है। उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्यशैली ऐसी होनी चाहिए जिससे समाज में उसकी छवि ‘मित्र’ और रक्षक के रूप में स्थापित हो। ‘मन की बात’ में स्वच्छता, जल संरक्षण और डिजिटल साक्षरता जैसे विषयों पर दिए गए संदेशों को कार्यक्षेत्र में लागू करने की आवश्यकता है। आधुनिक दौर में बदलती अपराध प्रवृत्तियों के मद्देनज़र मानसिक सजगता और सकारात्मक दृष्टिकोण आवश्यक है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अकादमी के निदेशक रविकुमार गुप्ता ने राज्यपाल का स्वागत किया। उप निदेशक संजय कुमार अग्रवाल ने अकादमी की कार्यप्रणाली की जानकारी दी। प्रशिक्षणाधीन अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा किए तथा अंत में पुलिस अधीक्षक यास्मीन जहरा ने आभार व्यक्त किया।

पाकिस्तान-न्यूजीलैंड को मिली मायूसी

बारिश के कारण मैच हुआ रद्द, दोनों को 1-1 अंक

कोलंबो, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 का पहला मैच बारिश की वजह से कोलंबो में खेला ही नहीं जा सका। इस मैच में टॉस तो हुआ, लेकिन एक भी गेंद फेंकी नहीं जा सकी। इस मैच के बाद ग्रुप बी की अंकतालिका कुछ इस तरह से है। वर्ल्ड कप 2026 में सुपर 8 के मुकाबले शुरू हो चुके हैं। सुपर 8 का पहला मैच पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कोलंबो में खेला गया, लेकिन बारिश की वजह से इस मैच को रद्द कर दिया गया। इस मैच में टॉस तो हुआ, लेकिन इसके बाद भारी बारिश की वजह से एक भी गेंद नहीं फेंका जा सका।

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच अगर ये मुकाबला खेला जाता तो जिस भी टीम को जीत मिलती उसे 2 अंक प्राप्त होते, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। मैच रद्द होने की वजह से दोनों टीमों के बीच एक-एक अंक का बंटवारा कर दिया गया। यानी एक एक-एक अंक के साथ दोनों टीमों का खाता एक साथ ही खुल पाया। सुपर 8 में भारतीय टीम का पहला मैच साउथ अफ्रीका के खिलाफ रविवार को खेला जाएगा।

साल दर साल जी रहा हूं, दिसंबर 2026 तक संन्यास ले सकता हूं: नेमार

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर नेमार का करियर चोटों की वजह से प्रभावित रहा है। इंजरी से परेशान नेमार फुटबॉल को अलविदा कहने की सोच रहे हैं। नेमार ने शुक्रवार को ब्राजील के ऑनलाइन चैनल केज पर फुटबॉल से संन्यास लेने की संभावना जताई। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि अब से क्या होगा। मुझे अगले साल के बारे में भी नहीं पता। हो सकता है कि जब दिसंबर आए, तो मैं रिटायर होना चाहूं। मैं अब साल दर साल जी रहा हूं।' नेमार ने कहा, 'यह वर्ल्ड कप का साल है। इसलिए बहुत जरूरी है। ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के साथ-साथ मेरे लिए भी।' 34 साल के हो चुके नेमार ने पिछले महीने अपने बचपन के क्लब सैंटोस के साथ अपने अनुबंध का नवीनीकरण किया था। नेमार जनवरी 2025 में सैंटोस लौटे और टीम को ब्राजील की टॉप टीम बने रहने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने सीजन के आखिरी पांच मैचों में पांच गोल किए।

नेमार की हाल ही में घुटने की सफल सर्जरी हुई थी। वह बार-बार होने वाली चोटों से जूझ रहे हैं। इंजरी ने उनके करियर पर असर डाला है। ब्राजील के लिए अब तक के सबसे ज्यादा 79 गोल करने वाले नेमार अक्टूबर 2023 के बाद से राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेले हैं। इससे आने वाले फुटबॉल विश्व कप में भी उनके खेलने पर सवाल है। ब्राजील के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी ने पिछले साल बार-बार कहा है कि 2026 वर्ल्ड कप के लिए सिर्फ पूरी तरह से फिट खिलाड़ियों पर ही विचार किया जाएगा। विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक कनाडा, मैक्सिको और यूनाइटेड स्टेट्स में खेला जाना है। नेमार ने 18 साल की उम्र में 2010 में ब्राजील की फुटबॉल टीम के लिए खेलना शुरू किया था। उस समय उनकी प्रतिभा को देखते हुए उन्हें दुनिया का अगला बड़ा सितारा माना जा रहा था। कई मौकों पर नेमार ने अपनी असाधारण प्रतिभा दिखाई भी, लेकिन इंजरी ने उनके करियर को बुरी तरह प्रभावित किया है। इंजरी ने उनके कई महत्वपूर्ण साल खराब किए और इस दौरान उनसे जूनियर रहे खिलाड़ी काफी आगे निकल गए।

फ्लॉयड मेवेदर पेशेवर मुक्केबाजी में कर सकते हैं वापसी

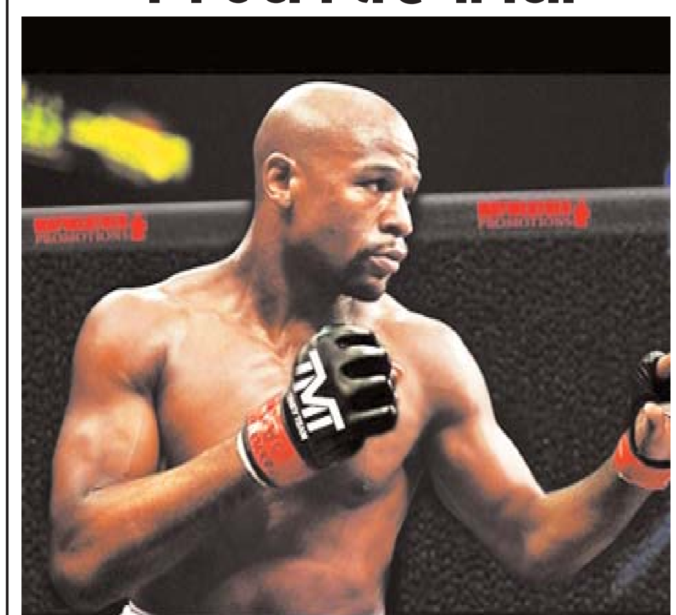

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज मुक्केबाज फ्लॉयड मेवेदर जूनियर ने एक बार फिर से पेशेवर मुक्केबाजी रिंग में वापसी के संकेत दिए हैं। पूर्व विश्व चैंपियन ने कहा है कि वह आधिकारिक पेशेवर फाइट लड़ने पर विचार कर रहे हैं। मेवेदर के बयान ने मुक्केबाजी की दुनिया में हलचल मचा दी है। मेवेदर ने 2017 में कॉनर मैकग्रेगर को हराकर 50-0 का रिकॉर्ड बनाया था। उस मुकाबले में उन्होंने दसवें राउंड में टीकेओ से जीत दर्ज की और इसके तुरंत बाद संन्यास की घोषणा कर दी थी। हालांकि, संन्यास के बाद भी मेवेदर पूरी तरह मुक्केबाजी से दूर नहीं हुए। वह पेशेवर मुक्केबाजों, एमएमए फाइटर्स और सेलिब्रिटीज के खिलाफ कई प्रदर्शनी मुकाबलों के लिए रिंग में उतरे हैं। अगस्त 2024 में मेक्सिको में उनका मुकाबला जॉन गोटी तृतीय से हुआ था। 2026 में मेवेदर 59 साल के माइक टायसन के साथ मुकाबले की तैयारी कर रहे हैं। यह मुकाबला अप्रैल 2026 में कांगो में प्रस्तावित है। इसे बॉक्सिंग इतिहास के सबसे चर्चित आयोजनों में से एक माना जा रहा है। दोनों मुक्केबाजों की कुल उम्र 100 वर्ष से अधिक होने के बावजूद, फैंस के बीच इस इवेंट को लेकर जबरदस्त उत्साह है।

मेवेदर ने बयान में कहा कि उनके इवेंट्स से अधिक गेट रेवेन्यू, वैश्विक दर्शक संख्या और कमाई शायद ही कोई और फाइटर हासिल कर सके। टायसन के साथ होने वाला इवेंट उनकी संभावित वापसी की दिशा में एक कदम हो सकता है। अगर यह वापसी आधिकारिक रूप लेती है, तो यह लगभग नौ साल बाद उनकी पहली पेशेवर फाइट होगी।

पांच अलग-अलग वेट डिवीजन में विश्व चैंपियन रह चुके मेवेदर का करियर ऐतिहासिक रहा है। टायसन के साथ होने वाला मुकाबला तय करेगा कि 48 साल के मेवेदर का पेशेवर मुक्केबाज के रूप में क्या भविष्य होगा। हालांकि, मेवेदर के फैन जरूर चाहेंगे कि वह रिंग में वापसी करें।

संजू को नेट्स में अभिषेक शर्मा ने कराई गेंदबाजी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिल सकता है मौका

अहमदाबाद, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को सुपर-8 के अपने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में उतरेगी। ग्रुप स्टेज में शीर्ष पर रहते हुए सुपर-8 के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय टीम के लिए सलामी बल्लेबाजी चिंता का विषय रही है। भारतीय टीम इस समस्या के समाधान के लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक बार फिर संजू सैमसन को मौका दे सकती है। विश्व कप से पहले भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा प्रचंड फॉर्म में चल रहे थे। वह टी20 की रैंकिंग में अभी भी नंबर वन बल्लेबाज हैं। विश्व कप में अभिषेक की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही है। वह अब तक तीन मैच खेले हैं और तीनों ही मैचों में बिना खाता खोले आउट हुए हैं। उनकी असफलता ने टीम इंडिया की परेशानी बढ़ा दी है। लगातार असफलता के शिकार अभिषेक शर्मा का आत्मविश्वास डगमगाया है। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भारतीय टीम एक बार फिर से अभिषेक की जगह विकेटकीपर संजू सैमसन को ईशान किशन के साथ ओपनिंग जोड़ीदार बना सकती है।
शुक्रवार की शाम को कृत्रिम रोशनी में आयोजित अभ्यास सत्र में संजू सैमसन को लंबे समय तक बल्लेबाजी का अभ्यास करते हुए देखा गया। सैमसन ने तेज गेंदबाजी और स्पिनर दोनों के खिलाफ लंबे समय तक बल्लेबाजी की और इस दौरान अच्छे टच में दिखे। हेड कोच गौतम गंभीर ने अभिषेक शर्मा से अभ्यास सत्र के दौरान लंबी बातचीत की। इसके बाद वह सैमसन को गेंदबाजी करते हुए नजर आए। इसके बाद यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि सैमसन अगले मैच में भारतीय प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हो सकते हैं। भारतीय टीम में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की संख्या भी ज्यादा है, जिसका फायदा विपक्षी टीमों को हो रहा है। इस वजह से भी सैमसन को मौका दिया जा सकता है। नामीबिया के खिलाफ विश्व कप में एकमात्र मैच खेलने वाले सैमसन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 टी20 मैचों में 2 शतक की बदौलत 190 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से 253 रन बनाए हैं।

टी20 वर्ल्ड कप: सुपर -8, संडे को दो धमाकेदार मुकाबले

भारत के सामने साउथ अफ्रीका तो इंग्लैंड को मिलेगी श्रीलंका से चुनौती

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर 8 के मुकाबले शुरू हो चुके हैं। संडे को सुपर 8 को दो मैच बैक-टू-बैक खेले जाएंगे। पहला मैच इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच जबकि दूसरा मैच भारत और साउथ अफ्रीका को बीच होगा।

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर 8 के मुकाबले शुरू हो चुके हैं। सुपर 8 में संडे यानी रविवार को दो मैच खेले जाएंगे जिसमें इंग्लैंड के सामने श्रीलंका की चुनौती होगी जबकि भारत को साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैदान पर उतरना है। एक ही दिन में दो मैच होने की वजह से इसकी आखिर क्या टाइमिंग होगी आइए इसके बारे में जानते हैं।

दोपहर 3.00 बजे से खेला जाएगा इंग्लैंड-श्रीलंका मैच- संडे यानी रविवार के दिन सुपर 8 का पहला मुकाहला इंग्लैंड और श्रीलंका (ग्रुप बी) के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच इस मैच की शुरुआत भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 3.00 बजे से होगी जबकि टॉस दोपहर 2.30 पर किया जाएगा। इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच ये मैच पल्लेकेले इंटरनेशनल स्टेडियम, पल्लेकेले में खेला जाएगा।

भारत-साउथ अफ्रीका मैच की शुरुआत शाम 7.00 बजे से होगी- रविवार के दिन सुपर 8 का दूसरा मैच भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। इस मैच की शुरुआत भारतीय समय के मुताबिक शाम 7.00 बजे से होगी जबकि टॉस का वक्त शाम 6.30 बजे का होगा। साउथ अफ्रीका और भारत के बीच ये मैच नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम, अहमदाबाद में खेला जाएगा।

अभिषेक को किया बैक, सुंदर आउट

पूर्व भारतीय स्पिनर ने चुनी साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत की प्लेइंग 11

अहमदाबाद, एजेंसी। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ रविवार को होने वाले मैच के लिए भारतीय टीम की प्लेइंग 11 का चयन किया। भज्जी का मानना है कि टीम इंडिया को अपनी उसी प्लेइंग इलेवन के साथ मैदान पर उतरना चाहिए जो पहले मैच में यूएसए के खिलाफ खेली थी। भारत अपने पहले सुपर 8 मुकाबले में साउथ अफ्रीका के खिलाफ नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद में उतरेगा। हालांकि जसप्रीत बुमराह बीमार होने की वजह से यूएसए के खिलाफ मैदान पर नहीं उतरे थे, लेकिन बाद में उन्होंने तीनों लीग मैच में हिस्सा लिया था। हरभजन सिंह ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपनी प्लेइंग इलेवन में एकमात्र बदलाव अक्षर पटेल के रूप में किया।

भारतीय टीम में एक बदलाव संभव

हरभजन सिंह ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा कि मुझे नहीं लगता है कि कोई ज्यादा बदलाव होगा, हां अक्षर पटेल जरूर खेलेंगे और उनकी वापसी होगी। आप वही टीम देखेंगे जो आपने यूएसए के खिलाफ पहले मैच में खेलते हुए देखी थी और वो बिल्कुल सही टीम थी। अक्षर आपकी टीम के उप-कप्तान हैं और वो एक प्रॉपर बॉलर हैं चाहते सामने कोई भी लेफ्ट हैंडर हो या फिर राइट हैंडर उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। हरभजन सिंह ने यह भी कहा कि अर्शदीप सिंह नई गेंद से विकेट लेने की अपनी क्षमता की वजह से अहमदाबाद की पिच पर भारत के लिए अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि अर्शदीप सिंह नई गेंद को स्विंग कराते हैं और विकेट लेते हैं। आपको यहां उतने स्पिनरों की जरूरत नहीं है जितनी कोलंबो में थी। भज्जी ने ओपन करने के लिए अभिषेक शर्मा को सपोर्ट किया और कहा कि उन्हें इशान के साथ ओपन करना चाहिए।

'इंडियन वेल्स टूर्नामेंट'

45 साल की वीनस विलियम्स को मिली वाइल्ड कार्ड एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी और 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को इस साल के इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने वीनस को वाइल्ड कार्ड एंट्री दिए जाने की पुष्टि की है। 1-15 मार्च तक दक्षिणी कैलिफोर्निया में होने वाले इस टूर्नामेंट में वीनस विलियम्स एकल और डबल्स दोनों श्रेणियों में हिस्सा लेंगी। वाइल्ड कार्ड एंट्री मिलने से उत्साहित वीनस विलियम्स ने कहा, 'इंडियन वेल्स वापस जाना और कैलिफोर्निया में अपने घर लौटना बहुत अच्छा है। जबरदस्त फैंस के सामने खेलने जैसा कुछ नहीं है। मैंने इतने सालों में यहां बहुत सारी यादें बनाई हैं। मैं आयोजकों की शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे वापस बुलाया।' पूर्व वर्ल्ड नंबर वन और चार बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट विलियम्स ने पहले भी इंडियन वेल्स में काफी सफलता हासिल की है। वह तीन बार सेमीफाइनल तक पहुंची हैं। आखिरी बार 2024 में वाइल्ड कार्ड एंट्री के माध्यम से ही उन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।
45 साल की विलियम्स ने 2026 का कैंपेन ऑस्ट्रेलियन ओपन से शुरू किया था। उन्हें वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली थी। हालांकि, वह पहले दौर से ही बाहर हो गई थीं, लेकिन ओपन एरा में ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड उन्होंने अपने नाम कर लिया।
विलियम्स ने शुरुआती सेट में कड़ा मुकाबला जीता, लेकिन दूसरे सेट में डैनिलोविच ने बेसलाइन से वापसी की। सर्बियाई खिलाड़ी ने डिसाइडर में भी अपना नियंत्रण बनाए रखा, और अहम मौकों पर विलियम्स की सर्विस तोड़कर मैच अपने नाम कर लिया। हार के बावजूद, विलियम्स ने नौ एस और फर्स्ट-सर्व पॉइंट्स पर 71 प्रतिशत सफलता दर से सबको प्रभावित किया। हालांकि पांच डबल फॉल्ट महंगे साबित हुए। पिछले साल, वह पार्टनर लेयला फर्नांडीज के साथ यूएस ओपन डबल्स क्वार्टर-फाइनल में पहुंचीं थीं। इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वीनस के प्रदर्शन पर दुनियाभर के टेनिस फैंस की नजर रहेगी।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जेमिमा ने पूरे किए 2500 रन

एडिलेड, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की दिग्गज बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिगेज ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध एडिलेड ओवल में शनिवार को खेले जा रहे तीसरे टी20 मैच में अर्धशतकीय पारी के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2,500 रन पूरे कर लिए हैं। जेमिमा ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध सीरीज के अंतिम मुकाबले में 46 गेंदों का सामना करते हुए 4 चौकों के साथ 59 रन की पारी खेली। अपना 118वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलते हुए जेमिमा ने भारत की पारी के पांचवें ओवर में किम गार्थ की गेंद पर चौका लगाकर इस आंकड़े को पार किया। इसी के साथ रोड्रिगेज कप्तान कौर, उप-कप्तान स्मृति मंधाना और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के बाद महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली चौथी भारतीय महिला बनीं। शनिवार को एडिलेड में जारी इस मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनते हुए भारत ने 6 विकेट खोकर 176 रन बनाए। भारत ने 19 के स्कोर पर शेफाली वर्मा (7) का विकेट गंवा दिया था। यहां से जेमिमा ने स्मृति मंधाना के साथ दूसरे विकेट के लिए 82 गेंदों में 121 रन की साझेदारी करते हुए पारी को संभाला।

मंधाना 55 गेंदों में 3 छक्कों और 8 चौकों के साथ 82 रन बनाकर आउट हुई, जिसके बाद शेफाली ने ऋचा घोष के साथ तीसरे विकेट के लिए 14 गेंदों में 28 रन जुटाते हुए टीम को 168 के स्कोर तक पहुंचाया।
ऋचा घोष 7 गेंदों में 1 छक्के और 2 चौकों के साथ 18 रन बनाकर आउट हुई, जबकि जेमिमा ने 59 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।
ऑस्ट्रेलिया की तरफ से एनाबेल सदरलैंड ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए, जबकि किम गार्थ और सोफी मोलिन्यूक्स ने 1-1 विकेट निकाला।
भारत ने टी20 सीरीज के पहले मुकाबले को डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर 21 रन से अपने नाम किया था। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने अगले मैच को 19 रन से जीता। ऐसे में सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला निर्णायक बन गया है।

सर के बाद 44 हजार नाम कटे, वोटर्स की संख्या 13.71 लाख से घटकर 13.27 लाख हुई; जेंडर रेशियो 898 रिकॉर्ड

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन शनिवार को हो गया। लोकसभा चुनाव 2024 में जिले में कुल 13,71,251 मतदाता दर्ज थे, जो अब घटकर 13,27,305 रह गए हैं। यानी पुनरीक्षण के दौरान करीब 44 हजार मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए। अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर तैयार सूची का प्रकाशन भारत निर्वाचन आयोग और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भोपाल के निर्देश पर किया गया। जिले की सभी छह विधानसभा सीटों 68 सिरमौर, 69 सेमरिया, 70 त्योंथर, 73 मनगवां, 74 रीवा और 75 गुढ़ की सूची का

विधिवत प्रकाशन हुआ। कलेक्ट्रेट में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को सूची की प्रतियां सौंपीं।अंतिम सूची के अनुसार जिले में कुल 13,27,305 मतदाताओं में 6,99,380 पुरुष और 6,27,919 महिला मतदाता हैं। थर्ड जेंडर मतदाताओं की संख्या 6 है। जिले का जेंडर रेशियो 898 दर्ज किया गया है। जिले में कुल 1707 मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

मनगवां अव्वल, रीवा सबसे पीछे: सबसे ज्यादा मतदाता मनगवां विधानसभा क्षेत्र में दर्ज किए गए हैं, जबकि सबसे कम मतदाता रीवा विधानसभा क्षेत्र में हैं। हालांकि, कम संख्या के बावजूद रीवा में महिला मतदाताओं की भागीदारी बेहतर मानी जा रही है।

ऐसे चला पुनरीक्षण अभियान: मध्यप्रदेश सहित 12 राज्यों में मतदाता सूची अपडेट करने के लिए 4 नवंबर 2025 से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू किया गया था। इस दौरान बीएलओ ने घर-घर जाकर सर्वे किया। पात्र नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए, जबकि मृत एवं स्थायी रूप से पलायन कर चुके लोगों के नाम हटाए गए। प्रक्रिया पूरी होने के बाद सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया। अधिकारी ने बताया कि अंतिम मतदाता सूची मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। मतदाता अपने बूथ लेवल अधिकारी के पास भी सूची में अपना नाम देख सकते हैं।

एसआईआर के बाद विधानसभा वार मतदाता-
सिरमौर - 2,21,394
सेमरिया - 2,20,642
त्योंथर - 2,12,733
मनगवां - 2,44,083
रीवा - 2,01,294
गुढ़ - 2,27,159

आईटीआई में लघु अवधि कोर्स के लिये आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय संभागीय आईटीआई में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 के अंतर्गत लघु अवधि पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जा रहे हैं। ये सभी कोर्स वर्तमान उद्योगों की मांगों को ध्यान में रखते हुए बनाए गए है जिससे युवाओं को परंपरागत कौशल के साथ साथ नई तकनीकों से भी जोड़ा जा सके। इस योजना के अंतर्गत इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नीशियन, कारपेंटर, इंटरनेट ऑफ थिंग्स सॉफ्टवेयर, एनालिस्ट तथा ब्यूटी वेलनेस कंसल्टेंट कोर्स प्रारंभ किए जा रहे हैं। इन सभी कोर्स की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया संस्थान में प्रारंभ हो चुकी है। प्रवेश के लिये आयु सीमा 15 से 45 वर्ष है। युवा अपनी शैक्षणिक योग्यता 10वीं व 12वीं के अनुसार एलिजिबल कोर्स में प्रवेश ले सकते है जिसके लिए आवेदन ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से कर सकते है। इस योजना की प्रशिक्षण अवधि 3 से 4 महीने की रहेगी तथा यह प्रशिक्षण पूर्णतः निः शुल्क है।

जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति की बैठक

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। नेशनल डिजिटल लाइव स्टॉक मिशन की प्रगति, कार्यक्रम के परिणाम, मूल्यांकन एवं क्रियान्वयन के उद्देश्य से गठित जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति की बैठक कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में 23 फरवरी को टीएल बैठक के उपरांत आयोजित की गयी है। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं ने संबंधित अधिकारियों से बैठक में उपस्थिति का अनुरोध किया है।

कांग्रेस नेता ने किया यूजीसी का समर्थन, पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल प्रेस वार्ता में घिरे; सवालों पर भड़के, फिर दी नसीहत-पार्टी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कांग्रेस के भीतर यूजीसी को लेकर अलग-अलग सुर सुनाई देने लगे हैं। एक तरफ कांग्रेस नेता कुंवर सिंह खुलेआम यूजीसी के समर्थन में सड़क पर उतर आए, तो दूसरी ओर प्रदेश नेतृत्व पहले ही इस तरह के किसी भी कानून पर आपत्ति जता चुका है। कुंवर सिंह ने समर्थकों के साथ प्रदर्शन किया और कहा, 'अभी तो ये ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है।' उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि यदि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। जिला

अध्यक्ष ने संभाली बात इधर, रीवा पहुंचे कांग्रेस नेता कमलेश्वर पटेल से जब पत्रकारों ने कुंवर सिंह के रुख और पार्टी की आधिकारिक लाइन को लेकर सवाल पूछे तो वे असहज नजर आए। लगातार सवालों से घिरे कमलेश्वर पटेल भड़क गए और उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया दी। स्थिति को संभालने के लिए जिलाध्यक्ष और महापौर को बीच-बचाव करना पड़ा। हालांकि बाद में कमलेश्वर पटेल ने कुंवर सिंह को नसीहत दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कोई भी नेता पार्टी लाइन से क्रॉस जाकर कोई कदम न उठाए और अनावश्यक बयानबाजी से बचे। पार्टी अनुशासन सर्वोपरि है और सभी को संगठन की आधिकारिक नीति के अनुरूप ही अपनी बात रखनी चाहिए। गौरतलब है कि कुछ समय पहले रीवा आए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी स्पष्ट कर चुके हैं कि वे ऐसे किसी भी कानून के खिलाफ हैं जो छात्रों के बीच विभाजन पैदा करता हो। ऐसे में पार्टी के भीतर अलग-अलग बयानबाजी ने सियासी सरगर्मी बढ़ा दी है।अब देखना होगा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर आधिकारिक रूप से क्या रुख तय करती है और आंतरिक मतभेदों को किस तरह सुलझाती है। फिलहाल, यूजीसी के मुद्दे पर कांग्रेस में सियासी हलचल तेज है।

फ्लाईओवर पर दो कारों की टक्कर, नशे में चालक ने लाठी से किया हमला- वीडीयो टक्कर के बाद शुरू हुआ विवाद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के अमहिया थाना क्षेत्र अंतर्गत सिरमौर चौराहा फ्लाईओवर पर रविवार शाम दो कारों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद एक कार के चालक ने कथित तौर पर शराब के नशे में दूसरी कार पर लाठी से हमला कर दिया और भारी तोड़फोड़ की। वर्तमान में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है और राहगीरों द्वारा बनाए गए वीडियो के आधार पर आरोपी चालक की तलाश करते हुए मामले की वैधानिक जांच कर रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फ्लाईओवर पर दोनों कारों के बीच टक्कर इतनी तेज थी कि

एक कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। इसी दौरान एक चालक, जो नशे में धुत बताया जा रहा है, ने अपना आपा खो दिया। उसने अपनी गाड़ी से लाठी निकाली और दूसरी कार के शीशे व बॉडी पर वार करने लगा, जिससे वाहन को और अधिक नुकसान पहुंचा।

राहगीरों ने बनाया वीडियो, मौके पर मची अफरा-तफरी: बीच सड़क पर लाठी चलने से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई। इसी दौरान वहां मौजूद लोगों ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया। विवाद की सूचना मिलते ही अमहिया थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए घटनास्थल से दोनों वाहनों को जब्त कर लिया और उन्हें थाने ले आई।

अमहिया थाना पुलिस ने बताया कि आसपास मौजूद लोगों द्वारा बनाए गए वीडियो के आधार पर आरोपी चालक की पहचान और तलाश की जा रही है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

जनगणना 2027 के प्रथम चरण हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। आगामी जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 23 एवं 24 फरवरी को कलेक्ट्रेट सभागार, मऊगंज में आयोजित होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक संचालित किया जाएगा। इसमें जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश एवं तकनीकी जानकारी प्रदान की जाएगी, ताकि सर्वेक्षण कार्य सुव्यवस्थित एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न हो सके। अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी द्वारा अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी, सभी अनुविभागीय जनगणना अधिकारी, नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के चार्ज अधिकारी, अतिरिक्त चार्ज अधिकारी तथा सभी जनगणना लिपिकों को प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशिक्षण के दौरान मकान सूचीकरण की प्रक्रिया, प्रपत्रों के सही संधारण, आंकड़ों के संकलन की विधि एवं शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

रीवा-सीधी-गुढ़ मार्ग पर ऑटो-जीप की टक्कर,गुस्साए लोगों ने लगाया जाम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा-सीधी-गुढ़ मार्ग पर रविवार को भीटी के पास ऑटो और जीप की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन लोग घायल हो गए, जिनमें एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोनों वाहन तेज रफ्तार में थे। भीटी के पास मोड़ पर अचानक आमना-सामना होने से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार यात्री सड़क पर जा गिरे। हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत अस्पताल भिजवाया। वहीं, गंभीर रूप से घायल महिला को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

पुलिस ने समझाइश देकर जाम खुलवाया: घटना से आक्रोशित लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया और काफी देर तक हंगामा करते रहे। लोगों का आरोप था कि मार्ग पर वाहनों की तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। गुस्साए लोगों ने दुर्घटना के लिए जिम्मेदार वाहन में तोड़फोड़ भी की। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश देकर जाम खुलवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद कुछ समय तक मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा।

समाजशास्त्र समाज का छाता है: प्रो. मनीष वर्मा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय में आयोजित मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसायटी के वार्षिक कॉन्फ्रेंस का समापन समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. मनीष वर्मा (डीन, बाबा साहेब अम्बेडकर विश्वविद्यालय) रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. प्रमोद कुमार (विभागाध्यक्ष, लखनऊ विश्वविद्यालय) एवं डॉ. राकेश तिवारी (कन्वीनर, सोशियोलॉजी ऑफ स्पोर्ट, इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसायटी) उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि प्रो. वर्मा ने अपने उद्बोधन में भारतीय समाजशास्त्र की दशा और दिशा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाजशास्त्र को स्थानीय परिप्रेक्ष्य में समझने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, 'समाजशास्त्र समाज का छाता है, जो विभिन्न विधाओं को समेटे हुए है।' उन्होंने ब्रिटिश शासनकाल से लेकर वर्तमान समय तक समाजशास्त्र के विकासक्रम का उल्लेख करते

हुए भारतीय समाजशास्त्रियों के चिंतन को रेखांकित किया। 'लिटिल रिपब्लिक' की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय गांव सामाजिक लोकतंत्र के आधार स्तंभ रहे हैं, किंतु आज पारंपरिक मूल्यों का क्षरण चिंताजनक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. अर्पिता अवस्थी ने समाजशास्त्र को समाज की नब्ज टटोलने वाला विज्ञान बताया। विशिष्ट अतिथि प्रो. प्रमोद कुमार ने समाजशास्त्र को अधिक प्रोडक्टिव और व्यवहारिक बनाने पर बल दिया। डॉ. राकेश तिवारी ने खेल के समाजशास्त्र की अवधारणा को रेखांकित करते हुए कहा कि खेल सामाजिक संरचना और मूल्यों को समझने का प्रभावी माध्यम है। समापन समारोह से पूर्व आयोजित दो तकनीकी सत्रों में 29 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। युवा समाजशास्त्रियों को प्रोत्साहित करने हेतु उत्कृष्ट शोध पत्रों पर 'युवा समाज वैज्ञानिक अवार्ड' प्रदान किए गए। हिंदी माध्यम में डॉ. अर्पणा एक्का (अंबिकापुर) एवं डॉ. सतीष द्विवेदी (रीवा), जबकि अंग्रेजी माध्यम में डॉ. मल्लिका गौर (ग्वालियर) एवं साक्षी अग्रहरि (सतना) सम्मानित हुईं। दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मध्यप्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र से 170 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का प्रतिवेदन सचिव डॉ. ध्रुव दीक्षित ने प्रस्तुत किया तथा नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। कार्यक्रम के सफल संचालन में महाविद्यालयीन शिक्षकों एवं आयोजकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नगर निगम रीवा में 9 फरवरी से 9 मार्च तक विशेष राजस्व वसूली शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर पालिक निगम रीवा द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति को दृष्टिगत रखते हुए राजस्व वसूली अभियान को गति प्रदान की जा रही है। निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार संपत्तिकर, जलकर एवं अवैध कॉलोनी शुल्क की शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 9 फरवरी से 9 मार्च 2026 तक वार्डवार विशेष वसूली शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। निगम प्रशासन के अनुसार शिविर का समय प्रतिदिन प्रातः 9:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक निर्धारित किया गया है, ताकि अधिक से अधिक नागरिक अपनी सुविधा अनुसार पहुंचकर बकाया करों का भुगतान कर सकें। इसी क्रम में 23 फरवरी को वार्ड क्रमांक 25 के लिए बाणसागर मोड़ में विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अन्य वार्डों में भी क्रमवार शिविर लगाए जाएंगे। नगर निगम द्वारा इस वित्तीय वर्ष में आवासीय मकानों पर संपत्तिकर में 50 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जा रही है। निगम प्रशासन का कहना है कि यह छूट नागरिकों को समय पर कर भुगतान के लिए प्रोत्साहित करने की दृष्टि से दी जा रही है। विशेष शिविरों के माध्यम से करदाताओं को एक ही स्थान पर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे उन्हें कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। निगम आयुक्त ने बताया कि नगर विकास के लिए राजस्व संग्रह अत्यंत आवश्यक है। प्राप्त राजस्व से ही सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास कार्य संपादित किए जाते हैं। इसलिए सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे शिविरों में पहुंचकर अपने बकाया करों का समय पर भुगतान करें और नगर के विकास में सहभागी बनें। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शिविरों के माध्यम से कर भुगतान की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया गया है।

शांति समिति की बैठक का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार मऊगंज में 23 फरवरी को शाम 5 बजे से शांति समिति की बैठक आयोजित की गई है। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संजय कुमार जैन करेंगे। बैठक में आगामी माह में आने वाले त्योहारों होली, गुड़ी पड़वा, ईद-उल-फितर एवं रामनवमी को शांति और सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने तथा कानून व्यवस्था और अन्य आवश्यक तैयारियों पर चर्चा की जाएगी।

महिला एवं बालिका सुरक्षा के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण आयोजित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महिला सशक्तिकरण एवं बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना के अंतर्गत चलाए जा रहे अपराजिता कार्यक्रम में आत्मरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत शासकीय अनुसूचित जाति जनजाति छात्रावास में निवासरत बालिकाओं के लिए विशेष आत्मरक्षा प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन प्रातः और सायं दोनों समय किया जा रहा है, जिससे बालिकाओं को नियमित रूप से व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त हो सके। प्रशिक्षण में बालिकाओं को आत्मरक्षा की विभिन्न

तकनीकों के बारे में बताया जा रहा है, ताकि वे किसी भी आपात स्थिति में अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें। प्रशिक्षण में आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने के उपाय, मानसिक दृढ़ता का विकास, सतर्कता, और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता को प्रोत्साहित किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी नयन सिंह के निर्देशन में मास्टर ट्रेनर अनीता पटेल द्वारा बालिकाओं को आत्मरक्षा की विभिन्न विधियों का अभ्यास कराया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में शारीरिक संतुलन बनाए रखने, पकड़ से बचने की तकनीक, दूरी बनाए रखने की रणनीति और आसपास उपलब्ध साधनों का उपयोग करने के तरीके भी सिखाए जा रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान बालिकाओं को महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं से भी अवगत कराया गया। विशेष रूप से, वन स्टॉप सेंटर के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें महिलाओं और बालिकाओं को कानूनी, चिकित्सीय और परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। कार्यक्रम के सफल संचालन में छात्रावास की अधीक्षिका श्रीमती फूलकुमारी साकेत का सक्रिय सहयोग और समन्वय महत्वपूर्ण रहा है। उनके मार्गदर्शन में प्रशिक्षण सत्रों का संचालन सुचारू रूप से किया जा रहा है। इस आत्मरक्षा प्रशिक्षण का उद्देश्य न केवल बालिकाओं को शारीरिक रूप से सक्षम बनाना है, बल्कि उन्हें मानसिक रूप से भी सशक्त बनाना है ताकि वे किसी भी संकट की स्थिति में आत्मनिर्भरता से निर्णय ले सकें। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बालिकाओं की सुरक्षा के प्रति उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों में से एक है।

वनमंडल में गिद्धों की संख्या 622 पहुंची दो दिन में 138 बढ़ोतरी, 30 सक्रिय घोंसले मिले, चार प्रजातियां दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विलुप्ति की कगार पर पहुंच चुके गिद्धों की वापसी के संकेत जिले के जंगलों से मिल रहे हैं। प्रदेशव्यापी गिद्ध गणना 2026 के दूसरे दिन (शनिवार) रीवा वनमंडल में 622 गिद्ध दर्ज किए गए। पहले दिन यह संख्या 484 थी। दो दिन में 138 की बढ़ोतरी ने वन अमले को उत्साहित किया है। वन विभाग के मुताबिक, 20 फरवरी से शुरू हुई गणना के तहत सुबह 6.30 से 8.30 बजे तक टीमें जंगलों में सर्वे कर रही हैं। दूसरे दिन की काउंटिंग में 30 सक्रिय घोंसले भी मिले, जहां गिद्धों का कुनबा विश्राम करता है। ये प्रजातियां आईं नजर जंगलों में इंडियन गिद्ध, सफेद पीठ वाले (व्हाइट बैक्ड) गिद्ध, काला गिद्ध और इजिप्शियन गिद्ध देखे गए। सेमरिया में चारों प्रमुख प्रजातियां मिलीं। हनुमना में इंडियन व सफेद पीठ वाले गिद्ध दिखे। डभौरा में इंडियन लॉन्ग-बिल्ड व इजिप्शियन गिद्ध दर्ज हुए। अतरैला और मऊगंज में भी अलग-अलग प्रजातियों की मौजूदगी रही। डाटा सीधे भोपाल मुख्यालय भेजा जा रहा है तीसरे दिन की गणना शेष है तीनों दिन के आंकड़े मिलाकर ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी वन विभाग का कहना है कि संरक्षण अभियान के सकारात्मक परिणाम अब सामने आने लगे हैं।

रेंजवार आंकड़े-
सेमरिया: 299
हनुमना: 136
सिरमौर: 109
डभौरा: 46
अतरैला: 19
रीवा: 8
मऊगंज: 5
चाकघाट: 0
कुल: 622

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।